राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 05 जून 2025
वर्ष 14, अंक 57, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

विकास कार्य में लगाई जा रही भ्रष्टाचार की ईंट....03

धरती के भगवान बने जब हैवान, मामला सरदार बल्लभ भाई पटेल अस्पताल पटेल नगर दिल्ली का जहां सवाल के घेरे में है दिल्ली पुलिस.....04

अमेरिका में भारत ने दिखाई आतंक के खिलाफ ताकत, कहा-नहीं चलेगी पाकिस्तान की कोई भी चाल

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों, विभिन्न 'थिंक टैंक' के सदस्यों एवं नीतिगत मामलों के विशेषज्ञों से मुलाकात करेगा और उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर', भारत के सामने मौजूद आतंकवाद की चुनौती और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी स्थिति की जानकारी देगा। यह प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को अमेरिका की राजधानी पहुंचा और बृहस्पतिवार तक यहां रहेगा। यह सर्वदलीय समूह अमेरिकी सांसदों, अमेरिकी 'थिंक टैंक' के सदस्यों और मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत करेगा। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष थरूर इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भारतीय जनता पार्टी), भुवनेश्वर कालिता (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (भारतीय जनता पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत संधू शामिल हैं। यहां भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन डीसी पहुंचा है।

प्रतिनिधिमंडल अगले दो दिन में अमेरिकी संसद और प्रशासन के सदस्यों, थिंक टैंक, मीडिया और नीति निर्माताओं से मुलाकात करेगा तथा उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' और आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख के बारे में जानकारी देगा।" प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प से अमेरिका को अवगत कराएगा तथा आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर जोर देगा। मिलिंद देवरा ने कहा कि अमेरिका में मौजूद प्रतिनिधिमंडल और दुनिया के अन्य क्षेत्रों और देशों का दौरा कर रहे ऐसे सर्वदलीय समूह दुनिया को बता रहे हैं कि ''भारत काफी सह चुका है।" उन्होंने कहा कि अब तक उन्होंने जिन भी देशों का दौरा किया है, लगभग उन सभी ने "भारत के पक्ष में बहुत ही स्पष्ट और बिना शर्त वाले बयान जारी किए हैं।"

देवरा ने कहा कि जिस तरह अमेरिका जैसे देशों के पास खुद की रक्षा करने और आतंकवादियों को खत्म करने का पूरा अधिकार है, उसी तरह "भारत को भी यही अधिकार है। भारत के विकास के लिए, भारत की अर्थव्यवस्था के फलने-फूलने के लिए, भारत में अमेरिकी निवेश को जारी रखने के लिए भारत में शांति की आवश्यकता है। भारत को मजबूत सीमाओं की आवश्यकता है। भारत को सुरक्षा की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा, ''हम शांति से रहना चाहते हैं। हम चाहेंगे कि हमारे पड़ोसी देशों में स्थिरता हो। कोई भी नहीं चाहता कि उसके बगल में एक अस्थिर सनकी रहे।" प्रतिनिधिमंडल के एक अन्य सदस्य सूर्या ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से शुरू हुए आतंकवाद के प्रति कोई रत्ती भर सहानुभूति नहीं रखता। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने जिन देशों का दौरा किया, उन्हें ''यह बात बहुत स्पष्ट रूप से समझ आ गई है कि भारत को सैन्य तरीके से जवाब देने के लिए क्यों बाध्य होना पड़ा और उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए भारत के कदमों का समर्थन किया है।" भारतीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को जब यहां अपनी बैठकें शुरू करेगा, उसी दिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में पाकिस्तान का एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल भी वाशिंगटन डीसी पहुंचने वाला है। जरदारी ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि वह अमेरिका की राजधानी में अमेरिका सरकार के प्रतिनिधियों और सांसदों से मुलाकात करेंगे। जरदारी ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के वाशिंगटन पहुंचने वाले दिन ही पाकिस्तानी सांसदों के भी पहुंचने को लेकर देवरा ने कहा, ''अमेरिका में किसी के भी मन में इस बात को लेकर संदेह नहीं है कि पाकिस्तान एक 'बनाना रिपब्लिक' (राजनीतिक रूप से अस्थिर देश) है, यह एक असफल देश है, यह आतंकवाद का निर्यातक है, यह एक ऐसा देश है जहां असैन्य सरकार के पास कोई शक्ति नहीं है और सेना सत्ता को नियंत्रित करती है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि भारत के लिए यह मायने रखता है कि पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल भारत की नकल करने की कोशिश कर रहा है।"

सूर्या ने भी कहा कि यह "पहली बार नहीं था कि पाकिस्तानियों ने भारत की नकल करने की कोशिश की, बल्कि वे एक सस्ती प्रति बन जाते हैं।" उन्होंने कहा कि दुनिया ने लंबे समय से देखा है कि भारत क्या चाहता है और पाकिस्तान क्या चाहता है। सूर्या ने कहा कि भारत में निवेश करने को लोकतंत्र, जिम्मेदार असैन्य नेतृत्व और वैश्विक प्रगति में निवेश के रूप में देखा जाता है, जबकि दूसरी ओर पिछले 20-30 साल में दुनिया को दहला देने वाले हर आतंकवादी हमले की जांच प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पाकिस्तान से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा सूचीबद्ध 50 से अधिक आतंकवादियों की पनाहगाह पाकिस्तान में हैं। सूर्या ने कहा, "इसलिए पाकिस्तान जैसे देश के विमर्श को सूट पहनकर अंग्रेजी बोलने वाले उसके पूर्व विदेश मंत्री बदल नहीं सकते। पाकिस्तान के हाथ खून से इतनी बुरी तरह सने हैं कि रात भर की इस नौटंकी से उन्हें धोया नहीं जा सकता।"

राहुल गांधी के बयान पर गरमाई राजनीति, कांग्रेस ने कहा - 'मोदी इज इंडिया' की सोच लोकतंत्र के खिलाफ

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस ने राहुल गांधी के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले के बाद बुधवार को पलटवार किया और कहा कि सत्तापक्ष की यह सोच गलत है कि "नरेन्द्र मोदी भारत हैं और भारत नरेन्द्र मोदी है।" पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि मौजूदा सरकार की विदेश नीति 'सरेंडर नीति' बन गई है। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में "सरेंडर" (आत्मसर्मण) संबंधी टिप्पणी कर सशस्त्र बलों का अपमान करने का बुधवार को आरोप लगाया और कहा कि यह 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को कमतर आंकने के समान है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस नेता ने पड़ोसी देश के समर्थन में बोलने के मामले में पाकिस्तानी सेना प्रमुख, उसके प्रधानमंत्री और वहां के आतंकवादी सरगनाओं को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के कटाक्ष एक "बीमार और खतरनाक मानसिकता" को दर्शाते हैं। खेड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''भाजपा के लोग पिछले 11 साल से 'मुकद्दर का सिकंदर' फिल्म बना रहे थे, लेकिन जब फिल्म बनकर

तैयार हुई तो वह निकली 'नरेंदर का सरेंडर'।"

उन्होंने दावा किया, "बहादुरी का कोई इंजेक्शन नहीं होता, बल्कि वह इंसान के चरित्र में होती है। भाजपा-आरएसएस के लोगों का इतिहास ही कायरता का रहा है। जब ऐसा व्यक्ति देश की बागडोर संभालता है तो देश का भविष्य खतरे में आ जाता है, जो हम वर्तमान में देख भी रहे हैं।" खेड़ा ने कहा, "जब बहादुर भारतीय सेना ने पाकिस्तान की गर्दन दबोच रखी थी, तभी ट्रंप का एक फोन आया और नरेन्द्र मोदी 'सरेंडर' कर गए। ट्रंप ने कई बार कहा कि हमने व्यापार की धमकी देकर सीजफायर कराया, लेकिन नरेंद्र मोदी ने आज तक ट्रंप का जवाब नहीं दिया। ये जवाब देंगे भी नहीं, क्योंकि 'नाम नरेन्द्र, काम सरेंडर', यह असलियत है।" उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा, "जो लोग कह रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी के सरेंडर का मतलब है, भारत का सरेंडर करना... वो ठीक से समझ लें, यह देश 140 करोड़ लोगों का है, ये सबका उतना ही है, जितना नरेन्द्र मोदी का है।

खेड़ा ने कहा, "यह सोच गलत है कि 'मोदी इज इंडिया', इंडिया इज नरेन्द्र मोदी' (नरेन्द्र मोदी भारत हैं और भारत नरेन्द्र मोदी है)" उन्होंने कहा, ''हम पिछले एक महीने से पूछ रहे हैं कि देश के आत्मसम्मान के साथ यह सौदा क्यों हुआ, संघर्षविराम आखिर किन शर्तों पर किया गया और हाफिज सईद, अजहर मसूद जैसे आतंकी कहां हैं?" लेकिन हमें पिछले एक महीने से जवाबों की जगह सिर्फ सस्ते डायलॉग सुनने को मिल रहे हैं।" कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह देश और सेना मजबूत हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और उनकी सरकार "कायर" हैं। खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के कार्यकाल में हर बार उनका 'सरेंडर' ही देखने को मिला है। उन्होंने कहा, "वह कहते थे कि काला धन लाएंगे, बेरोजगारी हटाएंगे, किसानों की आमदनी दोगुनी कर देंगे, चीन को लाल आंखें दिखाएंगे, लेकिन सरेंडर कर बैठे। चीन के नाम पर ऐसा हाल हो जाता है कि मुंह खोलते ही क्लीनचिट दे देते हैं। चीन का नाम ले नहीं पाते और पूर्वोत्तर के लोगों के रंग -रूप का मजाक उड़ाते हैं, गणेश जी का अपमान करते हैं।" उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र बनें, सरेंडर न करें।"

PM Modi ने की शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात, मिलते ही रोने लगा पूरा परिवार

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने कानपुर दौरे के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कारोबारी शुभम द्विवेदी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। शुभम के चचेरे भाई सौरभ द्विवेदी ने बताया, "प्रधानमंत्री ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान हम बहुत भावुक थे और प्रधानमंत्री से मिलते ही परिवार के सभी सदस्य रोने लगे।"

पीएम ने शुभम के परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चकेरी हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद शुभम के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उनके प्रति संवेदना प्रकट की। बता दें कि एक सप्ताह पहले कानपुर से सांसद रमेश अवस्थी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए यहां के निवासी शुभम द्विवेदी के परिवार से मिलने का अनुरोध किया था। सांसद ने प्रधानमंत्री से 30 मई को कानपुर दौरे के दौरान शोकाकुल परिवार से मिलने का आग्रह किया था।

पहलगाम घटना में मारा गया था शुभम

पिछले महीने 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। उनमें कानपुर निवासी व्यवसायी शुभम द्विवेदी (31) भी शामिल थे। शुभम की शादी इसी साल 12 फरवरी को हुई थी। शुभम का 24 अप्रैल की सुबह अंतिम संस्कार किया गया था।

संक्षिप्त ख़बरें

इलाहाबाद जन कल्याण समिति के अध्यक्ष ने अधिवक्ताओं एवं पत्रकारों की सुरक्षा कि मांग

प्रयागराज। मोहम्मद हन्ज़ला ने कहा यह प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए गहरी चिंता व्यक्त करते हैं कि हमारे साथी एडवोकेट हसनैन जो एक समर्पित जूनियर अधिवक्ता एवं अनिल कुमार पत्रकार हैं,जिनके के ऊपर धारा 107/116 CrPC को बिना किसी वैध कारण के, फर्जी तरीके से लागू किया गया है। अनिल कुमार जी एक ईमानदार और संवेदनशील पत्रकार के रूप में जनता से जुड़े मुद्दों को आवाज़ देने का कार्य कर रहे हैं। उन पर लगाए गए आरोप न केवल बेबुनियाद हैं, बल्कि यह प्रेस की स्वतंत्रता और कानून के दुरुपयोग का घोर उदाहरण हैं। इलाहाबाद जनकल्याण समिति के अध्यक्ष हन्जला ने यह माँग किया की। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि- इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। श्री अनिल कुमार जी] के ऊपर लगाए गए फर्जी मुकदमे को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। इस प्रकार की कार्यवाही में लिप्त दोषी अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए।

चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में भंडारे में भक्तों ने चखा प्रसाद

सीतापुर 3 जून श्रद्धेय बाबू भगवती सिंह जी द्वारा स्थापित चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बक्शी का तालाब के कृषि फार्म पर चतुर्थ बड़े मंगल पर वृहद भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर नगर पंचायत बक्शी का तालाब के अधिशासी अधिकारी इंद्रभान प्राचार्य प्रो गजेंद्र सिंह, प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया, समन्वयक अधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह, निदेशक डॉ योगेश कुमार शर्मा, डॉ पीके सिंह, सरसिज कुमार सिंह, डॉ सुधीर कुमार रघुवंशी, डॉ योगेंद्र कुमार सिंह, बहादुर सिंह चौहान, डॉ एस सी चंदा, डॉ रवि शंकर, डॉ अनिल कुमार वर्मा, रणजीत सिंह चौहान, उमेश कुमार, डॉ सुधाकर सिंह, प्रदीप सिंह धीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ दीपक पांडे सहित सभी सभी शिक्षकों एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आगरा में यमुना में नहाने गईं 6 किशोरियां डूबीं, सगी बहनों समेत 4 की मौत, दो अस्पताल में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। आगरा के सिकंदरा इलाके के गांव नगला नाथू में उस समय कोहराम मच गया, जब यमुना में नहाने गई छह किशोरियां डूब गई. जिसमें दो सगी बहनों समेत चार की मौत हो गई। दो किशोरियों को बचा लिया गया, जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है. हादसे से पहले बनाई गई रील एक किशोरी के मोबाइल में मिली है, जिसमें सभी खुश दिखाई देती हैं. आगरा डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि मृत किशोरियों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

भाई ने बचाने की कोशिश की, पर नाकाम रहा- हादसा सुबह करीब नौ बजे का है. गांव नगला नाथू स्वामी घाट निवासी सुरेश मजदूर हैं. सुरेश की पांच बेटियां हैं. जिसमें 18 वर्षीय मुस्कान सबसे बडी बेटी है. मुस्कान, छोटी बहनों दिव्या (16) संध्या (14) और चचेरी बहन नैना (13) पुत्री दिनेश के साथ यमुना में नहाने गई थी. साथ में टेढी बगिया निवासी अशोक की बेटी शिवानी और सुहानी भी थी. यमुना में नहाने से पहले उन्होंने खूब वीडियो बनाए. इसके बाद एक-दूसरे का हाथ पकड़कर पानी में उतर गई. इस दौरान सभी गहरे पानी में पहुंच गई, जिससे वे डूबने लगीं. उनकी चीख सुनकर चचेरा भाई दीपेश यमुना में कूद गया. इस पर किशोरियों ने उसे पकड़ लिया. दीपेश ने बताया कि इससे वह भी डूबने लगा था।

इसलिए, जैसे-तैसे वह बाहर आया. उसके शोर मचाने पर खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर आ गए. करीब एक घंटे में सभी किशोरियों को पानी से बाहर निकाला गया. यमुना में डूबने से सगी बहनों दिव्या और संध्या के साथ नैना व शिवानी की मौत हो गई. मुस्कान और सोनम को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि यमुना में डूबने से सगी

बहनों समेत चार किशोरियों की मौत हुई हैं. दो किशेरियों की हालत गंभीर है. उन्हें उपचार के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया है. किशोरियां गांव के पास यमुना में नहाने गई थी।

गांव में जाटव समाज का अकेला घर विजय का है. जिनके आठ बेटे सुरेश, दिनेश, राजकपूर, नरेश, राजेश, पान सिंह, सतीश और रवि हैं. परिवार के सभी सदस्य अब अलग-अलग रहते हैं. खेती और मजूदरी करते हैं। किसान कैलाशी वर्मा ने बताया कि आज से छह साल पहले नाव यमुना में डूबी थी. तब मैं 17 साल का था. देखा कि यमुना में आ रही नाव डूब रही है. चीख पुकार सुनकर नाव के पास पहुंचा और टयूब की मदद से 17 लोगों को बचाकर यमुना से बाहर लाया. यमुना में कई जगह पर गहरे गडढे हैं. गांव में अधिकतर पुरुष गोताखोर हैं. जब यह हादसा हुआ, तब मौके पर कोई बड़ा व्यक्ति नहीं था. इसलिए, बच्चियों की मौत हो गई।

मौसम ने ली करवट काले बादलों और तेज हवाओं के साथ हुई शुरुआत, 20 मिनट तक हुई बूंदाबांदी

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में मंगलवार की सुबह मौसम ने करवट ली काले बादलों और तेज हवाओं के साथ शुरुआत हुई सुबह में करीब 20 मिनट तक हल्की बूंदाबांदी हुई इससे वातावरण में ठंडक घुल गई और लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई सामान्य दिनों में सुबह का तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है मंगलवार को यह घटकर 26 डिग्री सेल्सियस हो गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्थानीय दबाव के कारण हुई इस हल्की वर्षा के बाद आने वाले दिनों में भी आसमान में बादल छाए रह सकते हैं इस बारिश से किसानों को भी राहत मिली है उन्हें उम्मीद है कि खेतों की नमी बनी रहेगी पिछले कुछ दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान शहरवासियों को इस बदले मौसम से राहत मिली। कई जगहों पर बच्चे बारिश में खेलते नजर आए मौसम के इस बदलाव ने शहर के लोगों को गर्मी से कुछ राहत प्रदान की है!

कानपुर बिकरू कांड; जयकांत बाजपेई को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दी सशर्त जमानत

● कहा- आरोपी का आपराधिक इतिहास नहीं।

स्वतंत्र प्रभात

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहुचर्चित कानपुर के बिकरू कांड में आरोपी जयकांत बाजपेई की जमानत अर्जी शर्तों के साथ मंजूर कर ली है. यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने जयकांत बाजपेई की दूसरी जमानत अर्जी पर सुनवाई के बाद दिया है। 5 वर्ष से जेल में बंद जयकांत बाजपेई की दूसरी जमानत अर्जी में कहा गया था, कि वह कानपुर नगर के चौबेपुर थाने में दर्ज बिकरू कांड की स्नद्धक्रमें आरोपी है. इस मामले में उसकी पहली जमानत अर्जी 30 मई 2023 को खारिज कर दी गई थी।

बता दें कि 2 जुलाई 2020 बिकरू कांड में 21 नामजद व 60-70 अज्ञात लोगों ने पुलिस पर हमला किया था, जिसमें 8 पुलिस कर्मियों की मौत हो गई थी. यह मामला कानपुर नगर के थाना चौबेपुर का था, इसमें मुख्य अभियुक्त विकास दुबे एनकाउंटर में मारा गया

था। याची के वकील ने कोर्ट को बताया कि मामले में अभियोजन पक्ष के 102 गवाह हैं और अब तक उनमें से केवल 13 की परीक्षा की गई है. सह अभियुक्त उमा शंकर यादव उर्फ टांके की पहली जमानत अर्जी खारिज होने के बाद गत 8 मई दूसरी अर्जी मंजूर कर जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया गया है. कहा गया ट्रायल के जल्दी निस्तारण की संभावना बहुत कम है। साथ ही जिन आरोपियों की जमानत पहले खारिज कर दी गई थी, उन्हें इस न्यायालय के तहत जमानत दी गई है. याची का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह 20 जुलाई 2020 से जेल में बंद है इसलिए उसकी जमानत मंजूर की जाए. सुनवाई के बाद कोर्ट ने जयकांत बाजपेई की जमानत शर्तों के साथ मंजूर कर ली है।

शिकायत से बौखलाये, प्रधान ने दी फर्जी हरिजन एक्ट मे फसाने की धमकी

● सरकार की महत्वकांक्षी योजनामहात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा हो रहा जम कर भ्रष्टाचार

फर्श से अर्श पर पहुंचे प्रधान नरहर

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर (खीरी) विकास खंड फूल बेहड़ की ग्राम पंचायत नरहर मे प्रधान,पंचायत सचिव,और रोजगार सेवक की तिकड़ी की मिलीभगत से फर्जी हाजिरी लगाकर जमकर भ्रष्टाचार किये जाने का मामला सामने आया है।बताते चले कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को सौ दिन का रोजगार देना है, लेकिन फूलबेहड विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत नरहर में यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। मामले की दर्जनों आई जी आर एस पोर्टल से लेकर जिलाधिकारी तक शिकायते की गई लेकिन आज तक कोई करवाई नहीं की गई।सभी आई जी आर एस शिकायतो का फर्जी तरीके से बिना किसी जाँच के भ्रामक,झूठी आख्या लगाकर निस्तारण कर दिया गया।जिम्मेदारो की इस खाऊ कमाऊ नीति से आहत शिकायतकर्ता ने पुनः जिलाधिकारी से शिकायत कर जांच कराये जाने तथा जाँच मे दोषी पाए जाने बाले विभागीय जिम्मेदारो पर कठोर कारवाई किये जाने की मांग की है।शिकायतकर्ता और ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत नरहर में जमकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन मजदूरों ने काम पर पैर भी नहीं रखा, उनके नाम से दिहाड़ी बनाई जा रही है। रोजगार सेवक की मिलीभगत से इन फर्जी मजदूरों को भुगतान किया जा रहा है, और इस अवैध कमाई से संबंधित कर्मचारी व प्रधान लखपति बन चुके हैं। गांव के ही एक जागरूक नागरिक ने जिलाधिकारी को दिये गए शिकायति पत्र मे बताया है कि कई लोग जो स्नश्च साल पहले मर चुके है और कुछ चाट का ठेला लगाते है तथा दर्जनों ऐसे लोग है जो अपना ट्रेक्टर चलाते है और अपनी खेती कराते है कभी काम पर नहीं गए, उनके नाम से लगातार मजदूरी निकाली जा रही है।

कई ऐसे नाम मिले हैं।जिनके दोनों पैर टूटे है,और कुछ बाहर काम करते है जो काम पर गए ही नहीं। उनके नाम पैसा निकाल कर बंदरबाट कर लिया जाता है।प्रशासन की निष्क्रियता भी इस फर्जीवाड़े को बढ़ावा दे रही है। सवाल उठता है कि आखिर क्यों फर्जी हाजिरी लगाने वाले रोजगार सेवक पर मेहरबान है प्रशासन? स्थानीय सूत्रों की मानें तो यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। रोजगार सेवक की भूमिका पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। गांव के कई लोगों ने जल्द ही सबूतों के साथ खुलासा करने की बात कही है।आर.टी.आई.से मिली जानकारी के अनुसार रामखेलावन,प्रधान के भतीजे है कभी काम करने नहीं जाते हैसुनील कुमार प्रधान पुत्र है जो कभी काम नहीं करने जाते है यही प्रधानी चलाते देखे जा सकते है।राजा राम के नाम पैसा निकाला गया जो काफ़ी समय पहले मरचूके है। वही सोहन लखीमपुर मे रहते है उनके नाम मनरेगा का पैसा निकाला गया है।दर्जनों अन्य नाम है जिनके नाम से पैसे निकलकर जमकर सरकारी धन का निजी हित मे दुरूपयोग किये जाने की चर्चा गली गली मे सुनी जा सकती है। नरहर पंचायत के ग्रामीणों की मांग है कि इस फर्जीवाड़े की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सरकार की योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंचे और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सके।साथ ही ग्राम प्रधान और रोजगार सेवक की आय से अधिक संपत्ति की जांच कराई जाय।आखिर कल दुसरो का गन्ना छीलने का काम करने वाले प्रधान पति ने आज लगभग 50 भिघा ज़मीन अपने परिजनों के नाम बना डाली ऐसा कौन सा आय का स्रोत इनको मिल गया जो करोडो की नामी बेनामी संपत्ति बना डाली।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

नेपथ्य में देश के लोकतंत्र की आस्था पर विश्वास और गर्व

भारत की दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमें गर्व होना चाहिए

हमें स्वतंत्रता अथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास के कारण ही देश का मनोबल बहुत ऊंचा एवं गगनचुम्बी है हमें इस पर गर्व होना चाहिए और यही कारण है कि भारत में लोकतंत्र की आस्था तथा विश्वास के चलते ही ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर हमला किया और आतंकवादियों तथा उसके पोषक पालकों के छक्के छुड़ा दिए और भारत ने युद्ध में बड़ी सफलता पाई। भारतीय फौज के शौर्य और शक्ति का लोहा पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे भारत में लोकतांत्रिक आस्था और गर्व पर विश्वास करने वाली 141 करोड़ जनता का बड़ा समर्थन है। देश की जागरूक जनता ने ऑपरेशन सिंदूर के संचालन में भारत सरकार और भारतीय तीनों सेना के अंगों का भरपूर समर्थन किया है, भारत के नागरिकों को भारतीय सेना के अदम्य साहस और वीरता पर गर्व है। हमें इन गौरवशाली पलों को अनंत काल तक बनाए रखना होगा और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2025 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए, पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया हैद्य वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और न ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेंगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाएद्य संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पायाद्य हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगाद्य केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती हैद्य गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती हैद्य हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग,महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा,रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगाद्य यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता हैद्य भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा हैद्य जात पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय हैद्य इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है,बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया हैद्य जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैद्य 1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैद्य हमारा देश एक बहु धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है द्य भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी हैद्य संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही हैद्य सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही हैद्य आतंकवाद, नक्सली समस्या केवल भारत देश की नहीं है यह अंतराष्ट्रीय स्वरूप ले चुकी हैद्य भारत आतंकवाद से स्वतंत्रता के बाद से लगभग 73 वर्ष से इस समस्या से जूझ रहा है कश्मीर में आतंकवाद, झारखंड, बिहार,बस्तर, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना में नक्सली समस्या अपना सिर उठा चुकी हैद्य हमारे परंपरागत दुश्मन वैसे तो पाकिस्तान और चीन है पर पाकिस्तान और तालिबान एक साथ मिलकर कश्मीर में आतंकवाद का तांडव मचाकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर भी किया हैद्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल से भारत को स्वच्छ निर्मल और स्वस्थ रखने की नई योजनाओं को लागू कर उस पर अमल करना शुरू किया है। स्वच्छ भारत भी एक अभियान की तरह भारत में प्रचलित हैद्य महात्मा गांधी की सदैव कल्पना रही है कि भारत स्वच्छ रहे और इसी कार्यक्रम में सरकार ने सभी शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाने की योजना को तीव्र स्तर पर लागू भी किया हैद्य पर यह शत-प्रतिशत अनुपालन में नहीं आई हैद्य इसके अलावा भारत कई योजनाओं में एक साथ काम कर रहा है, जैसे चुनाव में संशोधन,श्रम कानूनों में सुधार, पंचायती राज में संशोधन, आर्थिक सशक्तिकरण तथा कार्यपालिका न्यायपालिका तथा विधायिका में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया गयाद्य भारत में हर वर्ष बाढ़, सूखा तथा भूकंप के झटके भी महसूस किए जाते रहे और इस पर प्रभावी नियंत्रण लाने का प्रयास भी किया गया है। इसके लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। कुल मिलाकर नवीन भारत की संकल्पना के साथ भारत में तमाम पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, तब जाकर भारत एक नवीन भारत की कल्पना को साकार रूप दे सकता है एवं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

मासूमियत की चीखें और हमारी चुप्पी- कब टूटेगा ये सन्नाटा?

[हर लापता बच्चा हमारी मानवता पर एक सवाल है]

दुनिया तब तक निर्दोष नहीं कहलाएगी, जब तक किसी मासूम बच्चे की चीखें अंधेरे में गूंजती रहें और समाज चुपचाप आंखें फेर ले। बाल यातना और अवैध तस्करी हमारे समय का सबसे घृणित अपराध है, जो मानवता के माथे पर काले धब्बे की तरह उभरता है। क्या हम उस दुनिया का हिस्सा बनना चाहते हैं, जहां बच्चों की मासूम हंसी डर की सिसकियों में बदल जाए? जहां उनके सपनों के नन्हें कदमों को जंजीरों में जकड़ दिया जाए? 4 जून, बाल यातना एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस, हमें यही सवाल पूछता है और एक जवाब की मांग करता है – न केवल शब्दों में, बल्कि कर्मों में। आज विश्व भर में लाखों बच्चे शोषण, दमन और यातना का शिकार हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के 2020 के अनुमान के अनुसार, विश्व में लगभग 16 करोड़ बच्चे बाल श्रम में फंसे हैं, और लाखों बच्चे तस्करी का शिकार होकर यौन शोषण, जबरन मजदूरी, सशस्त्र संघर्षों में सैनिक बनने, या घरेलू दासता जैसे अमानवीय हालातों में जीने को मजबूर हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट बताती है कि हर साल करीब 12 लाख बच्चे मानव तस्करी का शिकार बनते हैं, जिनमें से अधिकांश लड़कियां यौन शोषण के लिए तस्करी की जाती हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि उन मासूमों की चीखें हैं, जिनका बचपन छीन लिया गया है। ये बच्चे न केवल अपने अधिकारों से वंचित हैं, बल्कि उनकी पहचान, स्वतंत्रता और भविष्य भी कुचल दिए गए हैं।

यह अपराध इतना कपटपूर्ण है कि यह अक्सर 'अदृश्य 'रहता है। तस्कर संगठित गिरोहों के रूप में काम करते हैं, जो गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक उदासीनता का फायदा उठाते हैं। भारत जैसे देश में, जहां सामाजिक-आर्थिक असमानता और जागरूकता की कमी व्यापक है, यह समस्या और भी गहरी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल हजारों बच्चे लापता हो जाते हैं, जिनमें से कई तस्करी के शिकार बनते हैं। कई बार माता-पिता, बेहतर भविष्य के वादे में धोखा खाकर, अपने बच्चों को दलालों के हवाले कर देते हैं। फिर वे बच्चे कभी वापस नहीं लौटते – सिवाय किसी अखबार के छोटे से कॉलम या पुलिस रिकॉर्ड की ठंडी फाइलों में। बाल तस्करी और यातना का यह घिनौना धंधा केवल कुछ अपराधियों तक सीमित नहीं है; यह एक वैश्विक तंत्र है, जो सीमाओं, संस्कृतियों और समाजों को लांघता है। यह अपराध हमारे आसपास, हमारे शहरों, गांवों और गलियों में पनपता है। गरीबी और बेरोजगारी इसकी जड़ें मजबूत करते हैं, जबकि अज्ञानता और उदासीनता इसे पनपने का मौका देती हैं। फिर भी, समाज का एक बड़ा हिस्सा इसे 'दूर की समस्या' मानकर चुप रहता है। लेकिन सच यह है कि जब तक हम इस सच को स्वीकार नहीं करते कि यह हमारी साझा जिम्मेदारी है, तब तक यह अंधेरा हमारी सभ्यता को निगलता रहेगा।

इसके खिलाफ लड़ाई केवल कानूनों तक सीमित नहीं हो सकती। भारत में प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) एक्ट, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, और मानव तस्करी निवारण अधिनियम जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन अभी भी एक चुनौती है। कानून तभी सार्थक होते हैं, जब समाज उनकी भावना को अपनाए। इसके लिए हमें एक जागरूक, संवेदनशील और सक्रिय समाज की जरूरत है। हर स्कूल, हर पंचायत, हर मोहल्ले में यह संदेश गूंजना चाहिए कि कोई भी बच्चा बिकाऊ नहीं है। शिक्षा और जागरूकता इस लड़ाई का सबसे मजबूत हथियार हैं। जब हर व्यक्ति यह समझ लेगा कि बच्चों का शोषण केवल एक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ जंग है, तभी इसकी जड़ें कमजोर होंगी। आज के डिजिटल युग में बाल तस्करी ने नए रूप ले लिए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया बच्चों को फंसाने का बड़ा जरिया बन गए हैं। साइबर अपराधी मासूमों को झूठे वादों, दोस्ती के जाल, या डराने-धमकाने के जरिए फंसाते हैं। यूनाइटेड नेशंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन बाल शोषण की घटनाएं पिछले एक दशक में दोगुनी हो गई हैं। ऐसे में साइबर निगरानी को मजबूत करना और अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने के लिए शिक्षित करना जरूरी है। साथ ही, तकनीक का सकारात्मक उपयोग, जैसे कि लापता बच्चों की तलाश में डेटाबेस और ट्रैकिंग सिस्टम, इस लड़ाई में मददगार हो सकता है। इसके अलावा, जो बच्चे तस्करी और यातना का शिकार हो चुके हैं, उन्हें समाज में दोबारा स्थापित करने की जरूरत है। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और सामाजिक संस्थाओं को मनोवैज्ञानिक सहायता, शिक्षा और पुनर्वास के अवसर प्रदान करने चाहिए। भारत में 'बचपन बचाओ आंदोलन' जैसे संगठन इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे हैं, लेकिन उनकी पहुंच सीमित है। सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर एक ऐसा तंत्र बनाना होगा, जो हर पीड़ित बच्चे तक पहुंच सके।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है – क्या हम बस चुपचाप पढ़कर आगे बढ़ जाएंगे, या सच में कुछ बदलने की हिम्मत करेंगे? जब कोई मासूम बच्चा दर्द से कराहता है और हम आंखें फेर लेते हैं, तब दोषी सिर्फ वह दरिंदा नहीं होता – हम भी उसके भागीदार बन जाते हैं। अब वक्त सिर्फ बातों का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का है। हमें उन मासूम आंखों में फिर से सपनों की चमक लानी है, जिनसे बचपन छीन लिया गया। हमें उन नन्हें पैरों को आज़ादी की ज़मीन पर चलने देना है, जिन्हें अब तक बर्बरता ने बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। हर वह हाथ जो एक मासूम को शोषण से बचाता है, हर वह आवाज जो अन्याय के खिलाफ गूंजती है – वही असली इंसानियत का प्रहरी है। एक बच्चे को बचाना सिर्फ एक जान बचाना नहीं, बल्कि पूरी मानवता के भविष्य को सुरक्षित करना है। जब इस धरती का आखिरी बच्चा भी निडर होकर मुस्कुरा सके, जब हर बालक को उसका बचपन, उसकी शिक्षा, और अपने सपनों को उड़ान देने की आज़ादी मिल सके – तभी हम खुद को एक सभ्य समाज कहने का हक़दार होंगे। इस 4 जून, आइए एक वादा करें – हम मूक दर्शक नहीं बनेंगे, हम बदलाव की आग बनकर उठेंगे। क्योंकि किसी एक बच्चे की मुस्कान में ही वो उजाला छिपा है, जो इस दुनिया के सबसे गहरे अंधेरे को भी रोशन कर सकता है।

प्रो. आरके जैन

पर्यावरणीय समस्याएं- प्राकृतिक संकट से स्वास्थ्य आपदा की ओर

प्रकृति और मानव स्वास्थ्य के बीच सदा से एक गहरा और जीवंत संबंध रहा है। जब पर्यावरण संतुलित और शुद्ध होता है, तब जीवन सुरक्षित, रोगमुक्त और समृद्ध होता है। किंतु वर्तमान में तथाकथित विकास की अंधी दौड़, अंधाधुंध शहरीकरण, औद्योगीकरण, जैविक और रासायनिक हथियारों की होड़ और उपभोक्तावाद की प्रवृत्तियों ने प्रकृति को संकट की कगार पर पहुँचा दिया है।विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्पष्ट रूप से चेताया है कि 21वीं सदी की पर्यावरणीय समस्याएं अब केवल "प्राकृतिक संकट" नहीं रहीं – वे एक "वैश्विक स्वास्थ्य आपदा"का रूप ले चुकी हैं। पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा और आने वाली पीढ़ियों की स्थिरता को चुनौती दे रही है। आज विश्व वायु, जल, मृदा, आकाश एवं ध्वनि प्रदूषण, जैवविविधता का क्षरण, वनों की अंधाधुंध कटाई, जलवायु परिवर्तन और कचरा प्रबंधन (प्लास्टिक, ई-वेस्ट, चिकित्सा व औद्योगिक अपशिष्ट) जैसी गहन पर्यावरणीय समस्याओं से जूझ रहा है। ये संकट न केवल पारिस्थितिक असंतुलन को जन्म दे रहे हैं, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में भी अप्रत्याशित वृद्धि कर रहे हैं, जिसका प्रत्यक्ष असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता के निम्न स्तर ने पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कणों की उपस्थिति के कारण दमा, ब्रोंकाइटिस, एलर्जी, हृदय- घात और कैंसर जैसे रोगों को बढ़ावा दिया है। वही जलस्रोतों के प्रदूषण से हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, डायरिया और पथरी जैसे जलजनित रोगों के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है।कृषि में रासायनिक कीटनाशकों, उर्वरकों और संरक्षक रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से अब केवल मिट्टी ही नहीं, बल्कि संपूर्ण खाद्य श्रृंखला विषाक्त हो गई है, जिसके दुष्परिणाम कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, मानसिक विकार और प्रजनन समस्याओं के रूप में सामने आ रहे हैं। जलवायु में हो रहे परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान में वृद्धि ने रोगाणुओं में उत्परिवर्तन की गति को तीव्र कर दिया है, जिससे वे और अधिक संक्रामक और घातक होते जा रहे हैं। पहले जिन क्षेत्रों में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और जूनोटिक रोग नहीं मिलते थे, वहां भी अब इनके मामले सामने आ रहे हैं। जैविक हथियारों के विकास के लिए किये जा रहे शोध ने कोरोना जैसी महामारी और उससे उत्पन्न वैश्विक स्वास्थ्य संकट को जीवन्त बनायें रखा है।

शहरी जीवनशैली, तेजी से फैलता शहरीकरण, हरियाली की कमी, विविध प्रदूषण और तापमान में असामान्यता ने मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा आघात किया है। तनाव, अवसाद, अनिद्रा, एकाकीपन जैसी समस्याएं दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं। साथ ही, युद्ध और सैन्य संघर्षों से समुद्री तेल रिसाव, विस्फोट, आगजनी, रेडियोधर्मी प्रभाव और विस्थापन जैसी समस्याएं जन्म ले रही हैं, जो मानवता और पर्यावरण दोनों के लिए विध्वंसकारी सिद्ध हो रही हैं। चेतना, तकनीक और संयम की त्रिवेणी में ही इन जटिल चुनौतियों का समाधान निहित है। हमें विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए ग्रीन टेक्नोलॉजी, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता देनी होगी। 'पाँच-आर' की नीति को व्यवहार में उतारना और जनसामान्य में पर्यावरणीय चेतना जाग्रत करना आज की महती आवश्यकता है।सरकारों को चाहिए कि वे पर्यावरणीय कानूनों को कठोर बनाएं और उनके क्रियान्वयन में इच्छाशक्ति दर्शाएं। लेकिन केवल नीतियां पर्याप्त नहीं हैं – जब तक हर नागरिक अपने आचरण और उपभोग की प्रवृत्तियों में बदलाव नहीं लाएगा, तब तक समाधान अधूरा रहेगा।संवेदनशीलता और विवेक से ही भविष्य सुरक्षित रह सकता है। भगवान बुद्ध ने प्रकृति से संसाधन लेते समय मधुमक्खी के व्यवहार को आदर्श बताया था – जो फूल से पराग लेते हुए उसके रंग, रूप या सुगंध को क्षति नहीं पहुँचाती। महात्मा गांधी ने भी यही बात कही थी "प्रकृति हर व्यक्ति की आवश्यकता की पूर्ति कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच की नहीं।"

इसलिए प्रकृति के दोहन में संयम, विवेक और मितव्ययिता अनिवार्य है। जब तक हमारी जीवनशैली प्रकृति के अनुकूल नहीं होगी,जैविक आहार, सार्वजनिक परिवहन, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पारिस्थितिकी के साथ सह-अस्तित्व जैसे कार्यों को हम अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाएंगे – तब तक कोई भी प्रयास अधूरा रहेगा। यह भी उतना ही सत्य है कि पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान किसी एक देश, संस्था या व्यक्ति से नहीं हो सकता। इसके लिए वैश्विक सहयोग, नीति समन्वय, जन-जागरूकता और सतत स्वास्थ्य ढांचे की आवश्यकता है। प्रत्येक राष्ट्र – चाहे वह विकसित हो या विकासशील – को स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरणीय अनुकूलता और भावनात्मक उत्तरदायित्व को अपने विकास मॉडल में सम्मिलित करना होगा।प्रकृति को केवल भोग की वस्तु नहीं, बल्कि एक जीवंत सत्ता तथा देवत्व के रूप में सम्मान देने का समय आ गया है। प्रकृति की रक्षा में ही मानवता की रक्षा निहित है।

डॉ मनमोहन प्रकाश

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष-नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

वृष- व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेंगे। सकारात्मक सोच बनेगी।

मिथुन- जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है।

कर्क- यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रुझान बढ़ेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

सिंह-संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी। बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें।

कन्या- कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला- रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा हो सकती है।

वृश्चिक-शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। लापरवाही से काम न करें।

धनु- किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा। बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी।

मकर-यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएँगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कुंभ-मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें। मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा।

मीन-मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

चुनावी रेवड़ी या गरीबों की सच्ची मदद

चुनावी रेवड़ी या गरीबों की मदद यह विषय हमारे लोकतंत्र की बुनियादी संवेदनशीलताओं को छूता है। हर बार चुनाव आते ही नेताओं द्वारा गरीबों और आम जनता को मुफ्त वस्तुएं, सुविधाएं और योजनाएं दी जाती हैं। यह हमारे चुनावी परिदृश्य का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। बिजली के बिल माफ करना, मुफ्त राशन बांटना, स्कूटी या मोबाइल वितरण, वृद्धों को पेंशन, बेरोजगारी भत्ता जैसी घोषणाएं इतनी आम हो गई हैं कि वे चुनावी रेवड़ी के तौर पर पहचानी जाती हैं। लेकिन क्या सचमुच ये रेवड़ी हैं, या फिर गरीबों की सच्ची मदद? इसके पीछे छुपी जटिलताओं, राजनीति और सामाजिक असमानताओं को समझना जरूरी है। सबसे पहले, हमें चुनावी रेवड़ी शब्द के अर्थ को समझना होगा। यह शब्द अक्सर नकारात्मक संदर्भ में इस्तेमाल होता है, जो नेताओं के उस व्यवहार पर कटाक्ष करता है जहाँ वे वोट पाने के लिए जनता को तात्कालिक और छोटे-मोटे लाभ देते हैं। इन लाभों का उद्देश्य जनता की दीर्घकालिक भलाई नहीं बल्कि सिर्फ चुनाव जीतना होता है। इस नजरिए से देखा जाए तो 'रेवड़ी' का मतलब होता है वोट बैंक की राजनीति, जो असल विकास के रास्ते में बाधा बनती है। लेकिन क्या हर मुफ्त या सब्सिडी वाली योजना को रेवड़ी कहना सही होगा? हमारे देश में करोड़ों लोग आज भी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं खाना, साफ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं। जब कोई सरकार उन्हें मुफ्त राशन या स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करती है, तो इसे केवल चुनावी चाल कह कर नजरअंदाज करना न्यायसंगत नहीं होगा। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, जनधन योजना जैसी योजनाएं गरीबों की जीवनशैली में सुधार के लिए हैं। कोविड महामारी के दौरान मुफ्त राशन और टीकाकरण ने लाखों गरीबों को बचाया। ऐसी योजनाओं को चुनावी रेवड़ी कह कर तुच्छ ठहराना उनके सामाजिक और आर्थिक महत्व को कम आंकना होगा। यहां पर एक महत्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है जब कोई योजना स्थायी, समर्पित और पारदर्शी होती है, जिसका उद्देश्य गरीबों को सशक्त बनाना होता है, तब वह 'रेवड़ी' नहीं बल्कि 'कल्याणकारी नीति' कहलाती है। दूसरी ओर, यदि योजनाएं बिना किसी दीर्घकालिक योजना के केवल चुनाव तक सीमित रह जाती हैं और सरकार का वित्तीय बजट बिगाड़ती हैं, तो वह निश्चित रूप से लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं। राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से देखें तो चुनावी रेवड़ी एक रणनीतिक हथियार बन चुकी है। यह वोट बैंक को लुभाने का त्वरित तरीका है। खासकर उन इलाकों में जहां गरीबी ज्यादा है, शिक्षा और रोजगार के अवसर कम हैं, वहां चुनावी रेवड़ी का प्रभाव सीधे वोटों में बदल जाता है।

नेताओं के लिए यह एक बहुमूल्य निवेश है, लेकिन इसके दुष्परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो, इस तरह की योजनाएं राज्य और केंद्र के खजाने पर भारी पड़ती हैं। बजट घाटा बढ़ता है, विकास के लिए जरूरी निवेश कम हो जाता है और अंततः आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। सामाजिक रूप से भी चुनावी रेवड़ी का एक और नकारात्मक पक्ष है। यह जनता को स्वावलंबन की ओर बढ़ने से रोकता है। लोग मुफ्त पर निर्भर हो जाते हैं और विकास के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं। यही वजह है कि कई बार मुफ्त योजनाओं का लाभ सही लोगों तक नहीं पहुंचता और भ्रष्टाचार का जन्म होता है। इसके अलावा, यह गरीब और अमीर के बीच असमानता को बढ़ाता है, क्योंकि अमीर वर्ग को तो नीतिगत छूट और सब्सिडी मिलती रहती है, लेकिन गरीबों को मिलने वाली सुविधाओं को चुनावी रेवड़ी के रूप में देखा जाता है। फिर भी, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर मुफ्त योजना या सहायता को नकारना उचित नहीं है। गरीबों को जब तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे, तब तक वे समाज के विकास में पूर्ण रूप से भागीदार नहीं बन पाएंगे। इसीलिए नीतियां ऐसी होनी चाहिए जो केवल चुनावी गणित की साधना न हों, बल्कि जनकल्याण और समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण का माध्यम बनें। योजनाओं को दीर्घकालिक, वित्तीय रूप से टिकाऊ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होगा ताकि वे वास्तविक बदलाव ला सकें।

इस दिशा में जरूरी है कि सरकारें जनता को सिर्फ तात्कालिक लाभ देने के बजाय उन्हें स्थायी अवसर प्रदान करें। गरीबों को मुफ्त वस्तुएं बांटने के बजाय उनकी योग्यता और कौशल को बढ़ावा दें, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा में सुधार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देना होगा। तभी चुनावी रेवड़ी का दायरा कम होगा और गरीबों की सच्ची मदद होगी। लोकतंत्र का असली उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं बल्कि आम जनता के जीवन को बेहतर बनाना है। गरीबों की मदद तब सफल होगी जब उसे केवल वोट बैंक की राजनीति की रेवड़ी न समझा जाए, बल्कि एक संवेदनशील और सशक्त समाज बनाने के प्रयास के रूप में लिया जाए। तभी हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर पाएंगे जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, जहां विकास की छाया सब तक पहुंचे, और जहां लोकतंत्र की गूंज केवल चुनाव के समय नहीं बल्कि हर दिन सुनाई दे।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,**E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

मनकामेश्वर मंदिर पर चतुर्थ विशाल भंडारे का आयोजन

सुंदर काण्ड के बाद हुआ भंडारा, हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद चखा

निगोहा, लखनऊ। ज्येष्ठ मास के चौथे बड़े मंगल पर निगोहा क्षेत्र में जगह-जगह पर पूजा अर्चना कर भंडारों का आयोजन किया गया। क्षेत्र के भैरमपुर गांव स्थित मनकामेश्वर मंदिर पर जेष्ठ के चौथे बड़े मंगल पर सुंदर काण्ड के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भैरमपुर के मनकामेश्वर मंदिर पर बालाजी महाराज भी विराजमान हैं, वहीं चौथे मंगलवार को चतुर्थ विशाल भंडारे का आयोजन भारद्वाज परिवार की ओर से किया गया, जिसके मुख्य यजमान पंडित दिवाकर शर्मा रहे। भंडारे में छोला चावल और बूंदी का प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर पंडित केपी शर्मा, पंडित सुबोध शर्मा, पत्रकार पंडित उमेश शर्मा, पत्रकार पंडित दिवाकर शर्मा, जितेन्द्र भारद्वाज, अमित शर्मा, शिवम भारद्वाज, सोमनाथ, अंकित, मन्टू, आयुष भारद्वाज, पीयुष, आकाश, हिमाचल शामिल रहे। इसी क्रम में भैरमपुर पुलिया पर अनन्त वर्मा द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया।

गुम हुए मोबाइल लौटाकर नगराम पुलिस ने फिर जीता जनता का विश्वास.....

नगराम। लखनऊ, नगराम पुलिस ने एक बार फिर अपने कर्तव्यनिष्ठ आचरण और तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए गुम हुए दो मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को लौटाकर जनमानस का दिल जीत लिया है। मामला नगराम क्षेत्र का है, जहां दो अलग-अलग व्यक्तियों के मोबाइल फोन हाल ही में गुम हो गए थे। दोनों व्यक्तियों ने अपने गुमशुदा मोबाइल की सूचना सीईआईआर पोर्टल पर पंजीकृत की थी। सूचना मिलते ही नगराम पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पोर्टल की मदद से दोनों मोबाइल फोन को ट्रैक किया और बरामद कर लिया।पुलिस द्वारा सत्यापन उपरांत दोनों मोबाइल उनके वास्तविक धारकों को सुपुर्द कर दिए गए। मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों ने फोन वापस पाकर खुशी जताई और नगराम पुलिस की त्वरित व प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना की। थाना प्रभारी सुनील चौधरी नगराम ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल तकनीक के माध्यम से गुमशुदा मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर उसे आसानी से बरामद किया जा सकता है। हमारा उद्देश्य है कि जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से हो।मोबाइल वापसी की इस प्रक्रिया में जो ईमानदारी और तत्परता पुलिस टीम ने दिखाई, उसने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस नागरिकों की सेवा और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

सरकारी अस्पताल में इलाज कराने आई महिला के बैग से 46 हजार रुपये चोरी

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को इलाज के लिए आई एक महिला के बैग से अज्ञात चोरों ने 46 हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़िता ने इस घटना की शिकायत पुलिस से की है। कस्बे के वार्ड नंबर 9 कोरिहई मोहल्ला निवासी नाजरीन बानो अपनी बहू शारनुनिशा को इलाज के लिए ई-रिक्शा से सीएचसी लेकर पहुंची थीं। अस्पताल परिसर में पहुंचने के बाद वह पहले पर्चा बनवाने गईं, फिर डॉक्टर की ओपीडी के बाहर खड़ी होकर अपनी बारी का इंतजार करने लगीं। इसी दौरान जब उन्होंने अपने साइड बैग की चेन खुली देखी, तो उन्हें चोरी का शक हुआ। बैग की तलाशी लेने पर पता चला कि उसमें रखे 46 हजार रुपये गायब थे। नाजरीन ने बताया कि ये पैसे उन्होंने पति सद्दाम के कहने पर घर की निर्माण सामग्री खरीदने के लिए रखे थे। वह अस्पताल से लौटकर रकम दुकानदार को देने जा रही थी, लेकिन पहले ही घटना घट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह ने बताया कि अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की जा रही है।

सड़क के किनारे ग्रामीण का शव मिलने से मचा हडकम्प

शाहाबाद (हरदोई)। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत ग्राम रनुआपुर मे सड़क के किनारे एक ग्रामीण का शव मिलने से आसपास के क्षेत्र मे हड़कंप मच गया जिसे एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर चिकित्सको ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को सीलकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान शीशराम (45) पुत्र चतुरी निवासी ग्राम तडेर थाना शाहाबाद जनपद हरदोई के रूप मे हुयी। बताया जाता है कि शीशराम को कुत्ते ने काट लिया था जिसके उपचार के लिए वह ग्राम नस्योली मे तथाकथित चमत्कारिक पानी पीने जा रहा था लेकिन रास्ते मे ही उसकी मौत हो गयी। मौत की खबर लगते ही मृतक के परिजनो मे कोहराम मच गया।

विकास कार्य में लगाई जा रही भ्रष्टाचार की ईंट

● दौलतपुर गांव में 145 मीटर इंटरलॉकिंग में पीली ईंट और डस्ट से की जा रही बॉक्सिंग

स्वतंत्र प्रभात

बीकेटी। स्थानीय विकासखंड के अंतर्गत दौलतपुर गांव में रुक्मिणी देवी कालेज के गेट तक लगभग दस लाख रुपये की लागत से 145 मीटर बनाई जा रही इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य में धड़ल्ले से दोयम दर्जे की पीली ईंट और घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है।गांव के लोगों ने ठेकेदार और क्षेत्र पंचायत के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है। मुख्यमंत्री योगी भ्रष्टाचारियों पर नकेल लगाने की पूरी तरह से कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ठेकेदार है कि सड़क और नाली निर्माण में भ्रष्टाचार की ईट लगाने से बाज नहीं आते।दौलतपुर से रुक्मिणी देवी गर्ल्स डिग्री कालेज तक बनाई जा रही इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य में पीली ईंट का प्रयोग किया जा रहा है। विकास के नाम पर इस भ्रष्टाचार के खेल में अधिकारी भी मौन बैठे हैं। किन्तु विकास के नाम पर क्षेत्र पंचायत में कुछ नया नहीं हुआ। दौलतपुर गांव के लोगों ने बताया कि खुलेआम पीले ईट एवं घटिया निर्माण सामग्री से इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। पक्की जोड़ाई में रेत व सीमेंट भी मानक के अनुसार नहीं मिलाया जा रहा है। इससे सड़क चंद दिनों में आने वाली बारिश में ही जगह-जगह धंस जाएगी। करीब दस लाख रुपये की कीमत से हो रही 145 मीटर इंटरलॉकिंग में पीली ईंटों से बॉक्सिंग की जा रही है। जबकि मजबूती के लिए अव्वल ईंटों से बॉक्सिंग का निर्माण कार्य होने की बात बताई जा रही है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि इस तरह की ईंटों से हुई इंटरलॉकिंग चंद महीनों में ही ढेर हो जाएगी और सरकार का लाखों रुपया बर्बाद हो जाएगा।सूत्रों के मुताबिक क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में आम जनता के लिए सरकार द्वारा चलायी जाने वाली करोड़ों रुपये की योजनाओं पर जिम्मेदारों के द्वारा भ्रष्टाचार का पलीता लगाया जा रहा है, इन योजनाओं को जिम्मेदारों ने अपनी कमाई का जरिया बना लिया है। इसे लेकर लोगों में नाराजगी है और कुछ मामलों में अधिकारी दिखावे के लिए कार्रवाई करके अपनी कमी छिपाने में जुटे हैं।जिससे शासन को विकास कार्यों के नाम पर लाखों रूपए का चूना लग रहा है।

कपूरथला में भक्ति और सेवा का संगम, बड़े मंगल पर भव्य भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ, कपूरथला। लखनऊ में आस्था और परंपरा का अनूठा संगम तब देखने को मिला जब बड़े मंगल के पावन अवसर पर मंगलवार को कपूरथला स्थित साई प्लाज़ा में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो कार्यालय द्वारा अमेरिकन कोचिंग संस्थान के सामने किया गया, जिसकी संपूर्ण व्यवस्था ब्यूरो चीफ़ मनीष राघव और उनकी समर्पित टीम ने स्वयं संभाली।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत हनुमान जी की पूजा-अर्चना से हुई। पूजन के उपरांत बजरंगबली को भोग अर्पित किया गया और फिर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण प्रारंभ हुआ। श्रद्धा और सेवा भाव से परिपूर्ण इस आयोजन में पूड़ी, सब्जी, बूंदी और शरबत का प्रसाद वितरित किया गया, जिसे हज़ारों श्रद्धालुओं ने प्रेमपूर्वक ग्रहण किया। सुबह से ही भंडारे स्थल पर भक्तों की लंबी कतारें लग गईं, जो देर शाम तक जारी रहीं। हर आयु वर्ग के श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए और बजरंगबली का स्मरण करते हुए प्रसाद प्राप्त किया। स्थानीय लोगों ने आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल आस्था को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि समाज में सेवा, एकता और भाईचारे की मिसाल भी पेश करते हैं। बड़े मंगल पर हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजित यह आयोजन एक बार फिर यह सिद्ध कर गया कि जब इरादे नेक हों, तो आयोजन केवल आयोजन नहीं, बल्कि जनसेवा का पर्व बन जाते हैं।

मामूली बात पर मारपीट, कुल्हाड़ी से हमला कर युवक को किया घायल

● .....पीड़ित की तहरीर पर नगराम थाने में मुकदमा दर्ज, आरोपी पक्ष के चार लोगों पर गंभीर आरोप.....

स्वतंत्र प्रभात

नगराम। लखनऊ,नगराम थाना क्षेत्र के छंगा खेड़ा गाँव में रविवार शाम एक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद की शुरुआत शराब के नशे में गाली-गलौच से हुई, जो बाद में मारपीट और कुल्हाड़ी से हमले में बदल गई। इस हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगराम थाना क्षेत्र के छंगा खेड़ा गाँव के सहजराम के पुत्र ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि रविवार की शाम करीब सात बजे रामसजीवन पुत्र स्व. द्वारिका शराब के नशे में धुत होकर उसके पुत्र राहुल को गालियां देने लगे। जब पीड़ित पक्ष ने इसका विरोध किया, तो रामसजीवन ने अपने दामाद दीपक, पुत्र रोहित और पत्नी सुनीता को मौके पर बुला लिया।

आरोप है कि इन चारों ने मिलकर पहले गाली- गलौच की और फिर लात-घूंसों से पीड़ित को बुरी तरह मारा। इतना ही नहीं, आरोपियों ने कुल्हाड़ी से हमला कर पीड़ित के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी।घटना की सूचना पीड़ित ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम 112 पर दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। पीड़ित के पुत्र राहुल को भी मारपीट में चोटें आई हैं।घटना के संबंध में सहजराम ने नगराम थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जल्द ही उपभोक्ताओं मिलेगी बिजली की कटौती से राहत

● .....डबल ट्रांसमिशन लाइन से विद्युत उपकेंद्र को मिलेगी बिजली

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। निगोहा विद्युत उपकेंद्र से संबंधित हजारों उपभोक्ताओं को जल्द ही बिजली की समस्या से निजात मिलने वाली है। लगभग एक दशक से सिंगल सोर्स के सहारे हो रही विद्युत आपूर्ति के दिन बहुरेंगे और जल्द ही सिंगल के बजाए डबल सोर्स से लोगों को बिजली मिलेंगी। दूसरी ट्रांसमिशन लाइन के चालू होने से एक मे फॉल्ट होने की स्थिति में दूसरी लाइन से आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी और लोगों को बिजली की किल्लत से राहत मिल जाएगी।

ध्यान रहे कि, निगोहा विद्युत सबस्टेशन को 132 केवी लाइन बछरावां (रायबरेली) से मिलती है। दूरी अधिक होने के कारण अक्सर ये लाइन फाल्ट हो जाती है। रायबरेली जिले मे फाल्ट होने पर राजधानी का निगोहां इलाका पूरी तरह अंधेरे में डूब जाता है। फॉल्ट पकड़ने और दुरस्त करने में घण्टो का समय भी लग जाता है। उपभोक्ताओ की इस समस्या को दूर करने के लिए अब बिजली विभाग समेसी विद्युत उपकेंद्र को जाने वाली ट्रांसमिशन लाइन (33केवी) को उदयपुर गाँव के पास इंटरलिकिंग बनाया जाएगा। ताकि समेसी को निगोहां से और निगोहां को समेसी से जोड़ा जा सके। वही, निगोहां में बछरावा,रायबरेली से भी एक ट्रांसमिशन लाइन (132केवी) से आपूर्ति वर्तमान में चल रही है। अभी तक जो सिंगल सोर्स से बिजली आपूर्ति हो रही है, वह डबल हो जाएगी। एक लाइन खराब होने की दूसरी लाइन से आपूर्ति शुरू हो जाएगी और लोगों को अघोषित विद्युत कटौती से राहत मिल जाएगी।

वहीं अधिशासी अभियंता श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में 33 केवी लाइन के लिए पेड़ो की डालों की छंटाई सहित अन्य मरम्मत कार्य जारी है।

इन गाँवो को मिलेगी राहत.... निगोहां उपकेंद्र से सम्बन्धित निगोहां कस्बा, निगोहां गांव, टोल प्लाजा, मस्तीपुर, भावाखेडा, दयालपुर। रघुनाथ खेड़ा, पटसा, मदाखेड़ा, उदयपुर, लालपुर, पुरहिया, शेरपुर लवल, मदारी, खेड़ा, अहिनिवार राती, भगवानपुर, नयाखेड़ा, बिरसिंहपुर, अघाइया, शिर्ष, मदाखेड़ा, टिकरा सहित कई दर्जन गाँवो के हजारों उपभोक्ताओ को राहत मिलेगी।

लायर्स एसोसिएशन बिसवां द्वारा बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर भंडारे का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां (सीतापुर)। बिसवां तहसील परिसर स्थित प्राचीन शिव मंदिर पर मंगलवार को बिसवां लॉयर्स एसोसिएशन की ओर से बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम, बालाजी महाराज एवं नीम करौरी बाबा के चित्र पर माल्यार्पण व पूजन-अर्चन के साथ हुई। इसके उपरांत सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सिविल जज कुंवर दिव्यदर्शी, उप जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सतीश चंद्र शुक्ला, तहसीलदार उमाशंकर त्रिपाठी और नायब तहसीलदार विनोद शर्मा ने भाग लिया। अतिथियों ने पूजन के बाद प्रसाद ग्रहण किया।भंडारे का आयोजन संघ अध्यक्ष कमलेंद्र कुमार बाजपेई व सचिव सत्य प्रकाश सिंह की अगुवाई में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ अधिवक्ताओं में लालजी वर्मा, बृजेश नारायण गुप्ता, मन्नालाल बाजपेई, सुरेश चंद्र मौर्य, प्रमोद कुमार मिश्रा, ओम प्रकाश वर्मा, सर्वेश मोहन श्रीवास्तव, रविंद्र नाथ सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, राजेश सिंह, रजनीश कुमार मिश्रा, ललित प्रकाश शर्मा, संतोष कठेरिया, संकटा प्रसाद शुक्ला, वीरेंद्र शुक्ला, आनंद मेहरोत्रा, ओम जी मिश्रा और ओंकार नाथ तिवारी सहित अनेक अधिवक्ता, न्यायिक व राजस्व कर्मचारी, वादकारी और आमजन उपस्थित रहे। सभी ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन में श्रद्धा, समर्पण और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।

फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में एक और कदम जनपद में नाइट ब्लड सर्वे शुरू

● सर्वे के पहले दिन 1352 लोगों के लिए गए रक्त के नमूने

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई फाइलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 19 ब्लाक और एक शहरी इकाई में दो से सात जून तक नाईट ब्लड सर्वे(एन.बी.एस) चल रहा है। यह सर्वे रात 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित किया जा रहा है और सर्वे के पहले दिन ही 1352 लोगों के रक्त के नमूने लिए गए। प्रत्येक ब्लॉक और अर्बन आरआई यूनिट में दो स्थल चुने गए हैं। एक रैंडम आधार पर और दूसरा ऐसा क्षेत्र जहाँ पहले फाइलेरिया के सर्वाधिक मामले सामने आए हों या फिर संक्रमण के लिए अनुकूल पर्यावरण वाले गाँव या मोहल्ले को प्राथमिकता दी गई है। कार्यकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि सर्वे केवल 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों एवं महिलाओं के बीच किया जा रहा है। पहले दिन नाइट ब्लड सर्वे जनपद के 19 ब्लाक और एक शहरी इकाई में किया गया और कुल 1352 लोगों के नमूने लिए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण के दौरान राज्य स्तरीय एवं मंडलीय टीमें भी निरीक्षण करेंगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अतः सर्वे से जुड़े सभी स्वास्थ्यकर्मियों से अपेक्षा की गई है कि वे पूरी गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2027 तक प्रदेश को फाइलेरिया मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत जनपद में स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रियता एवं सजगता के साथ काम कर रही हैं। जिला मलेरिया अधिकारी जीतेंद्र कुमार ने बताया कि फाइलेरिया की पहचान शुरुआत में ठंड के साथ बुखार आ सकता है। हाथ, पैर, पुरुषों के अंडकोष या महिलाओं के स्तनों में असामान्य सूजन। सूजन आमतौर पर एक ही अंग में होती है, दोनों में समान नहीं। मूत्र मार्ग से सफेद रंग का द्रव आना (ग्रामीण क्षेत्रों में धातु रोग) जिसे चिकित्सा भाषा में काइलूरिया कहते हैं। लंबे समय तक रहने वाली सूखी खांसी भी फाइलेरिया का लक्षण हो सकती है (ट्रॉपिकल इओफीलिया)। बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें घर की छत और आसपास पानी जमा न होने दें। कूलरऔर पक्षियों के पानी के पात्र नियमित रूप से साफ करें। कूड़ेदान को हमेशा ढककर रखें। फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन ज़रूरी सरकार द्वारा चलाए जा रहे सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत साल में एक बार फ़ाइलेरियारोधी दवा का सेवन अवश्य करें। फ़ाइलेरिया रोधी दवा गर्भवती, गंभीर रोगियों और एक वर्ष से कम आयु के बच्चों को छोड़कर सभी को खिलाई जाती है। दवा खाने से न सिर्फ व्यक्ति सुरक्षित रहता है, बल्कि वह दूसरों में भी संक्रमण नहीं फैलाता। इस बीमारी के लक्षण संक्रमण के 10 से 15 साल बाद दिखते हैं इस दौरान संक्रमित व्यक्ति अनजाने में दूसरों को भी संक्रमित कर सकता है।

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी चोरी की 9 बाइक बरामद, खीरी के तीन शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

● एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है थाना लहरपुर और स्वाट/सर्विलांस टीम ने संयुक्त अभियान में तीन अंतर्जनपदीय वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है आरोपियों के पास से 9 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में चल रहे अभियान के दौरान टीम ने पोंगलीपुर पुल के पास से आरोपियों को पकड़ा पकड़े गए आरोपी जमी अहमद, जिशान और जुबेर खान जनपद खीरी के रहने वाले हैं इन तीनों पर विभिन्न जनपदों में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अलग-अलग जगहों से मोटरसाइकिलें चुराते हैं चोरी के बाद वाहनों के नंबर प्लेट बदल देते हैं कुछ दिन इस्तेमाल करने के बाद ग्राहक ढूंढकर बेच देते हैं। चोरी से मिली रकम आपस में बांट लेते हैं आरोपियों की निशानदेही पर नवीनगर के जंगलों से 7 और मौके से 2 मोटरसाइकिलें बरामद की गई बरामद वाहनों में अपाचे, स्प्लेंडर, एचएफ डीलक्स और प्लेटिना शामिल हैं पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है!!

मुख्य सचिव ने संडीला में बर्जर पेंट्स यूनिट व पावर हॉउस का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई- मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने आज जिले के संडीला में विद्युत वितरण खण्ड कार्यालय संडीला व बर्जर पेंट्स यूनिट का निरीक्षण किया। सबसे पहले वे संडीला के बिजली विभाग के कार्यालय पहुँचे। यहाँ जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया तथा उन्हें सलामी दी गयी। समीक्षा के दौरान उन्होंने विभिन्न सेक्टरों को विद्युत आपूर्ति आदि की जानकारी ली। यहाँ से निकलकर वह सोम तिराहे के पास सांवरिया ग्रुप द्वारा आयोजित भंडारे में हिस्सा लिया। इसके बाद वह बर्जर पेंट की यूनिट पहुँचे। उन्होंने बर्जर के अधिकारियों से उत्पादन प्रक्रिया व कच्चे माल आदि की जानकारी ली। यहाँ पर उनको वन ट्रिलियन इकोनॉमी पर आधारित वीडियो दिखायी गयी।

उन्होंने मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के चेयरमैन आशीष कुमार गोयल, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल, जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन के साथ फैक्ट्री के परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने अन्य अधिकारियों के साथ फैक्ट्री के कालरेंट ब्लॉक, वाटर बेस ब्लॉक व वेयर हाउस का भी निरीक्षण किया तथा यूनिट की कार्य प्रणाली जानी। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता राजेश निर्मल की नेतृत्व में आयोजित हुआ विशाल भंडारा

● ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार को श्रद्धा की गूँज

स्वतंत्र प्रभात

संदीप कुमार-फिजा

लालगंज (रायबरेली)। कस्बा समेत आसपास के क्षेत्रों में ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार को आस्था और भक्ति का माहौल देखने को मिला। अलग अलग स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पंडाल लगाकर भंडारे आयोजित किए और प्रसाद वितरण किया।

पंडालों में बज रहे हनुमान चालीसा और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कृष्णा नगर बाईपास निवासी भाजपा नेता राजेश कुमार निर्मल ने भंडारे का आयोजन कराया। इस मौके पर जयशंकर, अमित मिश्रा, रिंकु गुप्ता मोहित, आशीष कुमार, अंकित, सुजीत, नीरज, सचिन, अक्षत, अनय, तन्मय, तनिशी आदि मौजूद रहे। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर, मलपुरा स्थित मां विंध्यवासिनी बालाजी मंदिर, आलमपुर कापंचमुखी हनुमान मंदिर और सब्जी मंडी का बालाजी मंदिर श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहे। सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें पूजा-अर्चना के लिए उमड़ीं। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा कर भगवान बजरंगबली से सुख-समृद्धि की कामना की। जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे।नगर के तेजगांव परिसर में पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह के संरक्षण में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। दोपहर में शुरू हुआ प्रसाद वितरण देर शाम तक चला। इसमें श्रद्धालुओं को पूरी-सब्जी और अन्य प्रसाद वितरित किया गया।

प्रशाद वितरण कार्य में सुखेंद्र बहादुर सिंह, जेपी सिंह, सनी सिंह, शुभम, संजय तिवारी, संतोष तिवारी, बबलू, कौशलेश, रमाशंकर वैद्य आदि ने सहयोग किया। नई बाजार मोहल्ला में व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा व मयंक त्रिवेदी की अगुवाई में प्रसाद वितरण किया गया। लखनऊ रोड पर इंद्रेश सिंह और मदन शर्मा ने पंडाल लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरित किया।

वहीं, निराला नगर हनुमान मंदिर परिसर में कमलाकांत मिश्रा, शिवभूषण द्विवेदी, अजय पाल, रोहित, राहुल, हरि, शिवोम, हरिओम, शिवम् शुक्ला, अधिराज द्विवेदी ने भंडारे का आयोजन किया। दोपहर से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जगह-जगह चौथे बड़े मंगल पर श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे का आयोजन किया

स्वतंत्र प्रभात

बेनीगंज/हरदोई- भीषण गर्मी और तेज तपिश के बावजूद जेठ के चौथे बड़े मंगल पर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। मंगलवार को अपने-अपने घरों में लोगों ने सुबह स्नान कर हनुमंत लाल पूजा अर्चना की। बजरंगबली के जयकारे का उद्घोष गूंजता रहा। जगह जगह चौथे बड़े मंगल पर श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। हनुमान चालीसा व हनुमान भजनों से भंडारे के पंडाल गूंजते रहे। बेनीगंज कस्बा कोठवा प्रताप नगर चौराहा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में

भीषण गर्मी के बावजूद आयोजकों में उत्साह की कमी कहीं से नजर नहीं आ रही थी। भंडारे के प्रसाद के रूप में पूड़ी, सब्जी, शरबत, हलवा आदि श्रद्धालुओं के द्वारा बांटे गए। इसी कड़ी में प्रताप नगर चौराहा पर समाजसेवी नीरज गुप्ता आशीष गुप्ता ने सब्जी पूड़ी का प्रसाद वितरित किया जो देर शाम तक चलता रहा। पास में ही मनोज शुक्ला के वहां भी प्रसाद वितरित किया गया। बेनीगंज कस्बे के नटवीर बाबा ब्रह्मदेव स्थान पर समाजसेवी पुनीत मिश्रा ने सब्जी पूरी का प्रसाद भंडारे का आयोजन किया जिसमें भक्तों ने बड़ी तादात में प्रसाद पाया। वही दूरघटिया मोड़ पर श्रीकांत शुक्ला ने हनुमान जी का बूंदी का भोग लगाकर भक्तों को बूंदी का प्रसाद वितरित किया। बस स्टॉप पर श्री राम भगवान हनुमान महाराज के चित्र पर भाजपा नेता अरविंद शुक्ला ने पूजा अर्चना कर भंडारे की शुरुआत की। भंडारे में मंडल अध्यक्ष रोहित वेश्य सहित कई लोगों ने प्रसाद बाटा। संडीला रोड पर गणेश गुप्ता ने सब्जी पूड़ी का प्रसाद वितरित किया। इसी कड़ी में भक्तों ने अपनी आस्था दिखाते हुए कस्बे सहित कोथावां आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में शरबत सब्जी पूड़ी हलवा का प्रसाद बांटा गया।

संक्षिप्त खबरें

ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

कर्नलगंज,गोंडा। ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल के पावन अवसर पर कर्नलगंज बस स्टैंड के पास परसपुर रोड स्थित बरिया बाबा माँ पाटेश्वरी मिष्ठान भंडार पर प्रदीप कुमार गोस्वामी, अभिषेक गोस्वामी द्वारा पंडाल लगाकर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में पूड़ी, सब्जी, कढ़ी चावल,बूंदी और अन्य स्वादिष्ट प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और हनुमान जी के पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में ज्वाला प्रसाद तिवारी, सुभाष सिंह पत्रकार, पदुम नरायन मिश्र पूर्व प्रधान, राहुल सिंह प्रधान, अभय सिंह पत्रकार, महादेव मौर्य, आशीष चौरसिया पत्रकार, सूर्यभान शुक्ल, दिलीप गोस्वामी, इंद्रजीत कारीगर, विजय गोस्वामी, गुड्डू गोस्वामी, राजकुमार मौर्य, ननकू शर्मा, संतोष सहित कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

करकटी में पेशा एक्ट की बैठक हुई सम्पन्न

शहडोल- जिले के करकटी गाँव मे पेशा के तहत बैठक सम्पन्न हुई। बैठक यादव मोहल्ला में सम्पन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता कर रहे पप्पू बैगा के द्वारा इस ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में कई अहम फैसलों के साथ पेशा के नियमों को बताया गया हैं। जिसमें ग्राम सभा मे जल गंगा संवर्धन के तहत नाला टचिंग की गहरीकरण और साफ सफाई का कार्य मजदूरों के द्वारा किया गया हैं। जिसका भुगतान आज दिनाँक तक नहीं हुआ। जबकि मनरेगा के कार्यो को जेसीबी और ट्रेक्टर से कार्य को करवाया गया। जिसमें गाँव के कुछ दबंगो के द्वारा नियमों को दर किनार करते हुए और नियमों का धज्जियां उड़ाते हुए कार्य को किया गया। जिसकी सूचना मिलते ही तदर्थ समिति के सदस्यों के द्वारा मौके पर पहुंचे लेकिन दबंगो ने सदस्यों के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया गया। जिसके समन्यव में ग्राम सभा द्वारा यह निर्णय लिया गया कि ग्राम सभा से अनापत्ति प्रमाण पत्र के बिना एवं ग्राम सभा के बिना अनुमति के कोई भी सार्वजनिक कार्य को मशीन के द्वारा नहीं किया जाएगा। और ग्राम पंचायत में हो रहे कार्यो की निगरानी भी किया जाना चाहिए। और भी कई निर्णायक फैसला लिया गया। उक्त बैठक में अध्यक्ष पप्पू बैगा, सरपंच कौशिल्या बैगा, सचिव खोजवा चर्मकार, पेसा मोबलाइजर जया कुशवाहा भूतपूर्व सरपंच दुखुवा बैगा, पंच राजू कुशवाहा, रामविलास यादव फूलचंद सहित ग्रामीण भी उपस्थित रहें।

पट्टे की दुकानें बेचने पर तीन दुकानदारों को भेजा नोटिस

मथुरा। अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के द्वारा आज से पांच दशक पहले बलदेव में बनाई गई। उन दुकानों में से तीन लाभार्थियों ने अपनी दुकान को बेच दिया। इस प्रकरण को समाज कल्याण विभाग ने गंभीरता से लिया है। निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिलों से ऐसे पट्टों की जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब इन दुकान के पट्टे धारकों को जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल ने नोटिस जारी किया है। करीब पचास साल पहले जनपद के शहरी क्षेत्रों में 200 दुकानें इस उद्देश्य से बनाई गई कि जो बेरोजगार अनुसूचित जाति के हैं वे अपना व्यवसाय करके अपने कस्बों में रोजगार करके अपना व परिवार का पालन कर सकें। जिसके तहत बलदेव, महावन, बरसाना, छाता सहित कई कस्बों में ये दुकानें बनी थीं। बलदेव कस्बे में अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम द्वारा बनाई गई दुकान संख्या चार, पांच, छह के पट्टे धारक ने अपनी दुकान को दूसरे व्यक्तियों को बेच दिया। जब इसकी शिकायत हुई तो जिलाधिकारी ने इसकी जांच कराई गई। जिसमें पट्टे की दुकान बेचने के आरोप सही मिले। जिस पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल ने इन तीनों दुकानस्वामियों को नोटिस जारी करके शीघ्र जबाव मांगा है।

बीट आरक्षी की चौकसी से गैंगस्टर का अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना बाघराय के बीट मुख्य आरक्षी अतुल त्रिपाठी द्वारा गैंगस्टर अभियुक्त पर शिकंजा कसा और उसकी गतिविधियों पर पैनी निगाह रखी। जिसके फलस्वरूप थाना बाघराय पुलिस द्वारा गैंगस्टर के मामले में वांछित अभियुक्त राजेश कुमार पुत्र रामाश्रय उम्र 25 वर्ष कम निवासी ग्राम बरबसपुर थाना बाघराय को थाना बाघराय क्षेत्र अंतर्गत मकूना फाटक के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार द्वारा अपराधी की पतारसी सुरागरसी के लिये थाना बाघराय के बीट मुख्य आरक्षी अतुल त्रिपाठी को ईनाम व प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। गिरफ्तार गैंगस्टर अभियुक्त हत्या का प्रयास, चोरी, धोखाधड़ी, व गैंगस्टर एक्ट जैसे संगीन अपराधों में अभ्यस्त अभ्यस्त बताया गया है।

धरती के भगवान बने जब हैवान, मामला सरदार बल्लभ भाई पटेल अस्पताल पटेल नगर दिल्ली का जहां सवाल के घेरे में है दिल्ली पुलिस

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली- कहा जाता है कि अगर भगवान होता है जो सबका भरण पोषण करता है सबके लिए एक सहारा होता है यह हम सब भगवान के बारे में जानते है और यही हमारे शास्त्र पुराण भी कहते है। ठीक उसी तरह धरती पर अगर कोई दूसरा भगवान माना गया है तो वह है डॉक्टर जो जीव को मौत के मुंह से भी खींच कर वापस ला देते है। अगर धरती के दूसरे भगवान मतलब डॉक्टर ही हैवान बन जाए तो आप क्या कहेंगे और किस भगवान पर भरोसा करेंगे।

ऐसा ही एक मामला दिल्ली के पटेल नगर के सरदार बल्लभ भाई पटेल अस्पताल से सामने आया है जहां कुत्ता काटने के बाद एक क्षेत्रीय यू ट्यूबर और उनके दो साथी रात लगभग डेढ़ बजे अस्पताल जाते है इलाज कराने लेकिन वहां इलाज़ को लेकर डॉक्टर और मरीज़ में कुछ विवाद हो जाता है जिसके बाद ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर अपने सहयोगी स्टॉफ, सिक्युरिटी गार्ड और हाउस कीपिंग को बुलाकर इलाज कराने आने वाले लोगों को पकड़ कर एक कमरे में ले जाकर बहुत ही बुरी तरह पीट देते है जिसमें ईलाज कराने गए लोगों को बहुत गंभीर चोटे आती है जिनको राम मनोहर लोहिया अस्पताल में एडमिट होना पड़ता है, इन व्यक्ति को तो चार से पांच दिन तक एडमिट रहना पड़ता है फिर भी डॉक्टर अपनी गलती मानने को तैयार नहीं होते।ऐसे में जब दिल्ली पुलिस की पटेल नगर पुलिस से पीड़ित शिकायत करते है तो पुलिस भी उल्टे डॉक्टरों की ही बचाव करती नजर आती है। पुलिस का कहना है कि इलाज़ कराने जाने वाले लोग शराब पीकर मारपीट किए और एक डॉक्टर का हाथ टूट गया है एक का दांत टूट गया , ऐसे में अगर पुलिस की बात सही है तो डॉक्टर्स का दुबारा जांच करवा ली जाए, क्योंकि ऐसा हुआ ही नहीं जो पीड़ितों का कहना है। पुलिस डॉक्टरों को बचाने में लगी है जबकि सामाजिक व्यक्तियों और आम जनता का कहना है कि सरदार बल्लभ भाई पटेल अस्पताल के डॉक्टरों का व्यवहार जनता के साथ बहुत ही अभद्र रहता है, डॉक्टर्स का आम जनता से व्यवहार बहुत ही अशोभनीय रहता है।क्षेत्र के वरिष्ठ समाज सेवक एस के चौबे ने बताया कि जब समाज की आवाज उठाने वालों के साथ इस तरह का व्यवहार डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है तो आम जनता के साथ किस तरह का व्यवहार किया जा रहा होगा यह समझ जाना चाहिए। इस मामले में पुलिस की लापरवाही को देखकर ऐसा लग रहा है मानो समाज के लोगों, आम जनता और दुखी दुखियारों को पुलिस और डॉक्टर मिलकर उनकी औकात दिखा रहे हो और मानो कह रहे हो कि इसी तरह मारे पीटे जाओगे जो तुम्हे उखाड़ना हो उखाड़ लो।

अगर इस मामले में पुलिस जरा सा भी जिम्मेदारी से अपनी ड्यूटी कर रही होती तो वह दोनों पक्षों पर मारपीट करने की धाराओं में मुकदमा रजिस्टर्ड कर दोनो पक्षों पर कार्यवाही करती लेकिन पुलिस की निष्क्रियता ही उसके दामन पर दाग लगा रही है।अब पुलिस की निष्क्रियता देख कर क्षेत्र की आम जनता दिल्ली पुलिस आयुक्त से उनके दफ्तर पुलिस मुख्यालय से न्याय की गुहार करने के लिए विवश हो रही है जिसमें क्षेत्र की जनता के साथ दिल्ली के सभी पत्रकार यू ट्यूबर बढ़चढ़ कर हिस्सा भी लेंगे। किसी भी डॉक्टर द्वारा किए गए इस तरह की हैवानियत को बर्दास्त समाज नहीं करेगा। उधर रजिस्टर मिडिया के स्थानीय पत्रकार ने घटना की जम कर निन्दा करते हुए कहा है कि सरदार पटेल हस्पताल के अपराधियों पर कार्रवाई होनी चाहिए अन्यथा पत्रकार साथियों का जन आक्रोश उत्पन्न होगा तो सारे अपराधी खुद सरेंडर कर देंगे।

खेती को लाभ का धंधा बनाने किसान नवीन तकनीकों एवं नवाचारों को अपनाएं-विधायक जयसिंह मरावी

● किसान डीएपी की जगह करें एनपीके उर्वरक का प्रयोग-उप संचालक कृषि

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल- विकसित कृषि संकल्प अभियान का जिला स्तरीय शिविर बुढ़ार जनपद पंचायत के ग्राम सेमरा में विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक जैतपुर ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए संकल्पित है। हमें खेती की लागत को कम करने के लिए जहां नवीन तकनीकों तथा नवाचारों को अपनाने के जरूरत है, वहीं मिट्टी की गुणवत्ता, संतुलित उर्वरक का उपयोग बीजों का चयन के बारे में भी जागरूक होना होगा। खेती के काम समय पर पूरे हों तथा किसी भी समस्या के आने पर कृषि वैज्ञानिकों की सलाह लेकर हम समस्या का निजात कर सकते हैं। खेती के साथ-साथ मत्स्यपालन, पशुपालन, उद्यानिकी फसलें लेने से किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने कहा कि खेती के समय आने वाली समस्याओं के निदान के लिए शासन द्वारा गांव-गांव में यह अभियान शुरू किया गया है। किसान अपनी समस्याएं बताकर निदान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होनें कहा कि प्राकृतिक खेती एंव जैविक खेती सबसे ज्यादा लाभकारी है।

आपने हाईब्रिड धान बीज का उपयोग कम से कम करने तथा शहडोल जिले में जेआर 206, जेआर 81 जैसी धान की किस्मों का प्रयोग करने की सलाह दी। आपने कहा कि गोबर की खाद को पूरे खेत में फैलाने की जगह इस तरह से उपयोग करें कि फसलों को पर्याप्त जैविक खाद मिल सके। उचहन क्षेत्रों में दलहन एवं तिलहन की फसलें लगाएं। गोबर खाद को पकाने के लिए वायोडाईजस्टर का उपयोग करें। उप संचालक कृषि श्री आरपी झारिया ने बताया कि जिले में रासायनिक उर्वरक सभी सहकारी समितियों तथा 5 डबल लॉक केन्द्रों में उपलब्ध है। जो किसान सहकारी समितियों के सदस्य हैं, रासायनिक उर्वरक वहां से प्राप्त करें। डबल लाक केन्द्रों से किसान नगदी में उर्वरक खरीद सकते हैं। आपने कहा कि शहडोल जिले में किसान डीएपी के प्रयोग को प्रमुखता देते हैं जबकि एनपीके उर्वरक इससे ज्यादा उपयोगी तथा प्रभावी है। आपने किसानों से आग्रह किया हैं कि डीएपी की जगह एनपीके का उपयोग प्रमुखता से करें।

किसान संघ के अध्यक्ष रविकांत त्रिपाठी ने कहा कि खेती से लाभ प्राप्त करने के लिए खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाना होगा। सभी किसान मिलकर ऐरा प्रथा का निदान स्वयं कर सकते हैं। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हर्ष सिंह ने कहा कि खेती में पानी का बहुत अधिक महत्व है। हम सबको जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य में सहभागी बनना चाहिए तथा सिंचाई के लिए पानी की सुविधा की व्यवस्था भी करना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक डॉ बीके प्रजापति ने कहा कि वर्षा आरंभ होने के बाद हर बखर चलाकर खेत को समतल कर लेना चाहिए। स्थानीय मिट्टी एवं जलवायु के अनुरूप बीज का चयन करना चाहिए। मिट्टी का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर आवश्यकता अनुसार उर्वरक का उपयोग करना चाहिए। कीटनाशकों का कम से कम उपयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री रीतेश पयासी ने कृषि यंत्रों के उपयोग तथा ऑनलाइन आवेदन करने पर मिलने वाले अनुदान की जानकारी दी। शिविर में पशुपालन विभाग, उद्यानिकी विभाग, मत्स्यपालन विभाग के मैदानी अमले द्वारा शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि श्री आरपी झारिया, कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक, कृषि वैज्ञानिक डॉ. मृगेन्द्र सिंह, कृषि वैज्ञानिक डॉ. बीके , सहायक अभियंता कृषि अभियांत्रिकी रीतेश पयासी, सहायक संचालक कृषि रामेन्द्र सिंह, सीईओ जनपद पंचायत बुढ़ार राजीव लघाटे, एपीओ दिवाकर सिंह, रिलायंस सीएसआर हेड रंजीत श्रीवास्तव, जनपद उपाध्यक्ष बुढ़ार हर्ष प्रताप सिंह,किसान संघ के अध्यक्षक रविकांत त्रिपाठी, नर्मदा साहू, राहुल सिंह, यशोदा सिंह, ग्राम पंचायत सरपंच सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

श्रीभूमि जिले के आर्दश कृष्णनगर गाँव की एकमात्र जीवन रेखा सड़क की स्थिति जर्जर! ग्रामीण परेशान

● मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर का ध्यान आकर्षित।

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि जिले के दरगारबंद जीपी के आर्दश कृष्णनगर गाँव के लोगों की एकमात्र जीवन रेखा सड़क की स्थिति जर्जर और बहुत ही दयनीय हो गई है। स्कूल-कॉलेज के छात्रों से लेकर सरकारी कर्मचारियों, मजदूरों, किसानों सहित सामान्य लोगों को इस सड़क पर चलने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल गाँव की सड़क पर मिट्टी का कार्य किया गया था, फिर गाँव के लोगों ने ठेकेदार से कहा कि यदि बारिश के समय यह सड़क इस तरह की रही तो गाँव वालों की स्थिति बहुत खराब होगी। इसलिए यदि आप इस सड़क के लिए सेंटीयुक्त पत्थर की व्यवस्था कर दें तो ही गाँव के लोग फायदे में रहेंगे और चलने में किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। ठेकेदार इस मामले में आश्वासन देते हैं कि वर्षा से पहले प्रयास करेंगे, लेकिन यही केवल और आश्वासन रह गया और आज ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, ग्रामीणों का कहना है कि सेंटीयुक्त पत्थर न देने के कारण अब सड़क की स्थिति और भी दयनीय हो गई है। इसके परिणामस्वरूप, आम लोगों के साथ-साथ ऑटो, बाइक चालक और अनगिनत राहगीरों को आदर्श कृष्णनगर गांव से दुल्लभछड़ा जाने के लिए एकमात्र रास्ते की इस दयनीय स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में गंभीरता से अगर लोगों की आवाजाही के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते हैं, तो दुर्घटना होने की संभावना है। गांव की कीचड़ भरी सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि लोगों के लिए चलना भी कठिन हो गया है। इसलिए, सड़क के बर्बाद हिस्से को मरम्मत करके चलने के योग्य बनाने के लिए गांव के लोग राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा और निर्माण विभाग के जिम्मेदार इंजीनियर की ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

कलेक्ट्रेट स्थित रजिस्ट्री ऑफिस में चोरी

● चौकी से चंद कदमों पर हुई चोरी की वारदात पुलिस के लिए चुनौती

स्वतंत्र प्रभात

कार्यालय का उखाडा गया जंगला।

सुबह के समय कार्यालय पर मौजूद लोग।

मथुरा। सिविल लाइन स्थित रजिस्ट्रार ऑफिस में रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। चोर अंदर चोरी के उद्देष्य से अंदर घुसे थे, तिजोरी से छेडछाड की गई लेकिन कोई पैसा नहीं गया है। दस्तावेजों के साथ कोई तो कोई छेडछाड हुई या नहीं यह पता लगाया जा रहा है। ऑफिस स्टाफ का कहना है हम सुबह ऑफिस आए तो देखा जंगला टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। खबर लिखे जाने तक साफ नहीं हो पाया है कि चोर लेकर क्या गया हैं। शक है कि कुछ ज़रूरी दस्तावेज और कैश गायब हो सकता है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुटी हुई गई और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया ताकि कोई पुख्ता सुराग मिल सके। लोग सवाल उठा रहे हैं कि इतने संवेदनशील ऑफिस में, जो सरकारी दस्तावेज़ों और संपत्ति के रजिस्ट्रेशन से जुड़ा होता है, वहां सुरक्षा के नाम पर क्या व्यवस्था है? इससे पहले भी इसी ऑफिस में लाखों रुपये की चोरी हो चुकी है लेकिन अब तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बार जांच शुरू होती है, मगर कुछ दिन बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। ये ऑफिस बहुत अहम है। यहां हज़ारों लोग हर हफ्ते आते हैं, लेकिन ना सीसीटीवी ठीक से लगे हैं और ना ही रात में सुरक्षा गार्ड। ये लापरवाही नहीं तो और क्या है चौकी से चंद कदमों पर हुई यह वारदात पुलिस के लिए चुनौती बन गई है अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या इस बार भी पुलिस की जांच सिर्फ फॉर्मेलिटी बनकर रह जाएगी या फिर कोई ठोस कार्रवाई की जाएगी? वहीं इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है हमारी टीम लगातार इस मामले पर नज़र बनाए हुए है। जैसे ही कोई नया अपडेट आता है, हम आपको जानकारी देंगे।

हत्या: मां की पेंशन के लिए भाई को मार दी गोली

● मां की पेंशन को निकालने को लेकर हुआ था दोनों भाइयों में विवाद

स्वतंत्र प्रभात

हत्या की घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस।

मथुरा। थाना फरह इलाके के गांव रैपुरा जाट में दिनदहाड़े हुए हत्या की घटना से अफरा तफरी मच गई और लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर एसपी सिटी राजीव कुमार कई स्थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी के जरिए हत्यारों की तलाश में जुट गए। घटना की जानकारी देते हुए एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि रैपुरा जाट स्थित केनरा बैंक के सामने कार में साथियों के साथ आए युवक ने अपने सगे भाई पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। फायरिंग में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हत्यारोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि भधाया गंगाधर निवासी 48 वर्षीय ओमवीर का अपने भाई प्रेम से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है।

मंगलवार की दोपहर ओमवीर रैपुरा जाट स्थित केनरा बैंक से रुपये निकालने गया था। इसी दौरान वहां कार सवार युवकों ने उसके ऊपर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। दिनदहाड़े बाजार में फायरिंग से लोगों में अफरा तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इधर उधर छिपकर अपनी जान बचाई। मृतक ओमवीर और प्रेम दोनों सगे भाइयों के बीच में मां की पेंशन निकालने को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी झगड़े के दौरान प्रेम और उसके साथियों ने तमंचा निकालकर ओमवीर पर फायरिंग कर दी जिसके चलते ओमवीर की मौत हो गई हैं। दोनों भाई आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और दोनों के ऊपर पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं और जेल जा चुके हैं। फिलहाल मृतक का पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। वहीं हत्या आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीम दबिश दे रही है।

गंगा दशहरा कल, जिला प्रषासन ने तैयारियों को दिया अंतिम रूप

स्वतंत्र प्रभात

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार स्टीमर में बैठकर यमुना की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए।

मथुरा। गंगा दषहरा पांच जून को मनाया जाएगा। नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। यमुना में विश्राम घाट सहित दूसरे घाटों पर बडी संख्या में श्रद्धालु डुबकी लगाएंगे। वृंदावन, गोकुल आदि के घाटों पर भी स्नान पर्व होगा। इस अवसर पर हजारों की संख्या में दूरदराज से ट्रेक्टर ट्रालियों में भर कर लोग आते हैं। जिला प्रशासन ने स्नान पर्व को लेकर बडे पैमाने पर तैयारी की है। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने गंगा दशहरा पर्व की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मंदिरों और घाटों के आसपास सफाई गोताखोरों की तैनाती सीसीटीवी निगरानी चिकित्सा और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की नगर निगम को घाटों पर सफाई बैरीकेटिंग कंट्रोल रूम चेंजिंग रूम और सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए। घाटों पर गोताखोर तैनात किए जाएंगे और यमुना का जलस्तर भी बढ़ाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस व्यवस्था की जाएगी। यमुना के किनारे स्वास्थ्य कैंप लगाए जाएंगे और शहर में जगह जगह पानी की प्याऊ की व्यवस्था की जाएगी। यमुना के घाटों पर कपड़े चेंज करने के लिए अस्थाई स्नान घर बनाए जाएंगे इसके अलावा घाटों पर वॉलिंटियर भी तैनात किए जाएंगे ताकि श्रद्धालु गहरे पानी में स्नान करने से बचें यमुना के घाटों पर साफ सफाई और बैरिकेडिंग कराई जाएगी श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था की जाएगी नगर निगम के अधिकारी एवं पुलिस फोर्स भी तैनात रहेंगे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो मथुरा में गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालु यमुना में स्नान करने आते हैं।

वर्जन- विश्राम घाट सहित दूसरे घाटों का निरीक्षण किया गया है। यहां करीब 22 घाट हैं। सभी घाटों की सफाई कराई गयी है। आज से यमुना जी में बैरीकेडिंग कराई जा रही है। विश्राम घाट के सामने वाले घाटों पर भी बैरीकेडिंग और दूसरी व्यवस्थाएं की जा रही है। यमुना के लक्ष्मीनगर की ओर भी मेला लगता है वहां भी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक व्यवस्थाएं दिये जाने का प्रयास किया जा रहा है। स्टीमर पर लाइफ जैकेट का अभाव है, इसे भी सुनिश्चत कराया जा रहा है। एसडीआरफए, पीएसी, 36 गोताखोरों की व्यवस्था की गई है। -चंद्र प्रकाश सिंह, जिलाधिकारी

अब कॉरिडोर की चाहत में उठने लगीं आवाज

● चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के समर्थन में उठाई आवाज

मथुरा। वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर का मंदिर से जुडे गोस्वामी परिवार विरोध कर रहे हैं। उन्हें मनाने के प्रयास जारी हैं। वहीं अब कॉरिडोर की चाहत रखने वालों ने भी आवाज उठाना शुरू कर दिया है। नेशनल चौंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ एसो. मथुरा की बैठक में मथुरा वृंदावन के विकास के लिए श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण पर सभी सदस्यों ने एक मत से कॉरिडोर बनाने की वकालत की। अध्यक्ष राजीव बृजवासी ने कहा कि कॉरिडोर बनने से सर्व समाज का भला होगा तथा शहर का विकास ही होगा व्यापार में उत्तरोत्तर प्रगति होगी, श्रद्धालुओं को मथुरा वृंदावन आने पर आनंद की अनुभूति होगी। पूर्व अध्यक्ष राजेश बजाज ने कहा कि कॉरिडोर बनने से उद्योग एवं व्यापार को प्रगति मिलेगी। मुकेश प्रेस वालों ने कहा कि श्रद्धालुओं को होने वाली मुसीबत से छुटकारा मिलेगा। राजेंद्र कुमार ने कहा कि काफी श्रद्धालु भीड़ भाड़ की वजह से बिहारी जी के दर्शन करने के लिए नहीं आ पा रहे हैं। कॉरिडोर बनने से उन सभी को सुलभ दर्शन लाभ प्राप्त हो सकेगा। महामंत्री राम प्रकाश अग्रवाल मनीष शोरावालों ने कहा कि कॉरिडोर वक्त की जरूरत है जैसे बनारस, अयोध्या का विकास हुआ है वैसे ही मथुरा वृंदावन कॉरिडोर बनने से मथुरा विकास की अग्रिम श्रेणी में आएगा सब समाज के लोगों को कॉरिडोर बनने से लाभ ही प्राप्त होगा वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद खंडेलवाल तुषार हाथी वालों ने कहा कि कॉरिडोर बनने से टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा तथा कॉरिडोर बनने से मथुरा वृंदावन की विकास में पंख लग जाएंगे यहां के रहने वालों को भी आनंद की अनुभूति होगी और जो श्रद्धालु

बैठक में मौजूद चौम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्य।

पधारेंगे वह भी यहां आकर आनंद की अनुभूति महसूस करेंगे । कोषाध्यक्ष अमित जैन ने कहा कि टूरिस्ट के आने से यहां के उद्योग धंधे जिनमें प्रमुख रूप से पोशाक, कंठी माला, चांदी की पायल, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, होटल रेस्टोरेंट जैसे सभी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री विशाल बंसल उमेश जुगासना ने बताया कि मथुरा वृंदावन आने की कनेक्टिविटी बढ़िया हो जाएगी इसे सरकार को प्रयास कर सभी को साथ लेकर जल्द से जल्द बनाना चाहिए।

सामूहिक विवाह योजना के लिए निर्धारित किये लक्ष्य

मथुरा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए जिले के शहरी क्षेत्रों में निवास कर रहे गरीब परिवार की बेटियों की शादी के लक्ष्य जिलाधिकारी ने तय कर दिए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए नगर निगम मथुरा वृंदावन के लिए 100, नगर पालिका कोसीकलां के लिए 17, 13 नगर पंचायत पांच पांच, प्रत्येक ब्लाकों के लिए 40 बेटियों की शादी कराने की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने नगर निगम, नगर पंचायत, नगर पालिका, बीडीओ को निर्देशित किया है वे अपने अपने क्षेत्रों में कैम्प लगाकर विवाह योग कन्याओं के आवेदन करायें। उन्होंने बताया कि अब मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले सामूहिक विवाह समारोह पर 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। बेटियों के बैंक खाते में 35 हजार रुपये मिलते थे उसके स्थान पर अब 60 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अलावा 10 हजार रुपये का सामान मिलता था उसके स्थान पर 25 हजार का सामान मिलेगा। सामानों की संख्या 25 कर दी गई है। पहले आयोजन व दावत टेंट का खर्चा 6 हजार मिलता था। अब 15 हजार रुपये आयोजन के मिलेंगे। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक आवेदन करने की अपील की है।

बीएसए कॉलेज में 9 छात्र नकल करते पकड़े

स्वतंत्र प्रभात

बीएसए कालेज में परीक्षा के दौरान चौक करते कालेज के प्रवक्ता डॉ रविश कुमार।

मथुरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विधि (एलएलबी, बीए एलएलबी) एवं बीएड परीक्षाओं के दौरान बीएसए (पीजी) कॉलेज, मथुरा में नकल के प्रयासों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मंगलवार को कॉलेज में नियुक्त सचल दल ने जांच के बाद नौ छात्रों को पर्ची व मोबाइल के माध्यम से नकल करते हुए पकड़ा। इन सभी के विरुद्ध विश्वविद्यालय के नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अम्बेडकर विश्व विद्यालय आगरा ने बीएसए कॉलेज में मथुरा के एलएलबी, बीए एलएलबी के 20 और बीएड के 32 कॉलेजों का नोडल केंद्र बनाया गया है। परीक्षा में शामिल होने वाले प्रत्येक छात्र की कड़ी तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। फिर भी एलएलबी के पांच छात्र पर्चियों और मोबाइल से नकल करते पकड़े गए, जिनकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को भेज दी गई है। शाम की पाली में प्राचार्य प्रो. डॉ. ललित मोहन शर्मा के नेतृत्व में डॉ. बी.पी. राय, डॉ. रवीश शर्मा, डॉ. ए.पी. सिंह, यू.के. त्रिपाठी और बी.के. गोस्वामी ने निरीक्षण किया। जांच के दौरान एएम कॉलेज और पूरन गोपाल शुक्ला कॉलेज के परीक्षार्थियों को नकल करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। संबंधित छात्रों को केंद्राध्यक्ष द्वारा आवश्यक प्रक्रिया के तहत बुक किया गया। विश्वविद्यालय को रिपोर्ट भेज दी गई। प्राचार्य प्रो. डॉ. ललित मोहन शर्मा ने स्पष्ट किया कि बीएसए कॉलेज नकल के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाए हुए है। फ्लाइंग टीम को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता, नकल या इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाए। कॉलेज प्रशासन ने छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे पूर्ण ईमानदारी और अनुशासन के साथ परीक्षा दें। सभी परीक्षार्थियों के जूते, बैग, और अन्य सामग्री की नियमित जांच की जाती है। मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र में पूर्णतरू प्रतिबंधित हैं। उन्होंने कहा कि बीएसए कॉलेज मथुरा में नकल की कोई जगह नहीं है।छात्रों को चेतावनी दी जाता है कि भविष्य में यदि कोई अनुचित प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।